RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा...

वर्ष : 27 अंक : 264 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 12 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

15वें उपराष्ट्रपति बने सी.पी. राधाकृष्णन

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के तौर पर आज सीपी राधाकृष्णन ने शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा सहित कैबिनेट के सभी मंत्री तथा उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी व अन्य भी मौजूद रहे। इस शपथ ग्रहण समारोह में सबकी नजर पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर रही जो 53 दिनों बाद किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए। सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण से पहले सीपी राधाकृष्णन राष्ट्रपिता महात्मागांधी की समाधि पर गए तथा उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में 67 वर्षीय राधाकृष्णन को शपथ दिलाई। राजग उम्मीदवार राधाकृष्णन ने **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

भारत के नये उपराष्ट्रपति का परिचय

देश के 15वें उपराष्ट्रपति चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन का जन्म 4 मई 1957 को हुआ था। 2024 से महाराष्ट्र के 24वे राज्यपाल थे। वह भारतीय जनता पार्टी के सदस्य थे और कोयंबतूर से दो बार लोकसभा के लिए चुने गए थे। वह तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भी थे। हाल तक वे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य थे और उन्हें पार्टी के आलाकमान द्वारा केरल भाजपा प्रभारी नियुक्त किया गया था। वह 2016 से 2019 तक अखिल भारतीय कॉयर बोर्ड के अध्यक्ष थे, जो लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम मंत्रालय (एमएसएमई) के अधीन है।

53 दिन बाद नजर आये धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी नजर आए. वह 21 जुलाई को पद से इस्तीफा देने के बाद पहली बार सार्वजनिक तौर पर दिखाई दिए हैं। जिस समय सीपी राधाकृष्णन शपथ ले रहे थे. जगदीप धनखड़ अन्य पूर्व उपराष्ट्रपतियों वेंकैया नायडू और हामिद अंसारी के बगल में बैठे हुए थे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सहित कई बड़े मंत्री शामिल हुए। धनखड़ के 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के लगभग दो महीने बाद **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

दिल्ली हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट में शुक्रवार दोपहर के दौरान मिली बम-धमकी की सूचना से हड़कंप मच गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक लगभग 40 मिनट पहले एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ जिसमें कोर्ट परिसर में तीन बम रखे होने और दोपहर 2 बजे तक हाईकोर्ट खाली कराने का आदेश दिया गया था.पुलिस ने फौरन सुरक्षा-प्रोटोकॉल लागू करते हुए सभी जजों को कक्षों से बाहर निकाला और वकीलों, स्टाफ तथा लोगों को कोर्ट परिसर खाली करने का निर्देश दिया गया. मौके पर बम निरोधक दस्ते, स्पेशल सेल और दिल्ली पुलिस की कई यूनिट तैनात कर दी **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सड़क हादसे में दो की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा- ग्रेटर में अलग-अलग स्थानो पर हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मूल रूप से अलीगढ़ के रहने वाले राजकुमार ने थाना सेक्टर-49 में दुर्घटना में अपने बेटे की मृत्यु होने का मामला दर्ज कराया है। राजकुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा टीटू कुमार सेक्टर-79 स्थित लोटस ग्रीन एरिना-2 में नौकरी करता था। 10 सितंबर को वह अपने चचेरे भाई वीरेंद्र के साथ उसकी बाइक से घर आ रहा था। सेक्टर-76 नोएडा मेट्रो स्टेशन के पास किसी अज्ञात वाहन ने दोनों की बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में टीटू व वीरेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के लिए पुलिस ने दोनों **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

गाजियाबाद की पॉश सोसायटी के फ्लैट में खोली ठग कंपनी

एसटीएफ नोएडा यूनिट ने गैंग का किया पर्दाफाश, 6 गिरफ्तार

गाजियाबाद (चेतना मंच)। नोएडा की एसटीएफ यूनिट ने गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद व देश भर में बड़े स्तर पर फ्रॉड करने वाले एक गैंग का पर्दाफाश किया है। यह गैंग अलग-अलग जगह फ्लैट किराए पर लेकर लोगों को कभी वहां करेंसी बदलने, कभी क्रिप्टो करंसी को एक्सचेंज करने, कभी खाते में अधिक रूपये लेकर नकद देकर झांसा देता था। एसटीएफ यूनिट ने इस गैंग के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस गैंग ने एचडीएफसी बैंक और बंधन बैंक के भी कुछ कर्मचारी शामिल बताए जाते हैं। यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने बीती रात **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

किसानों का थाना सेक्टर-113 पर प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के कार्यकर्ताओं ने आज थाना सेक्टर-113 पर प्रदर्शन किया। भाकियू कार्यकर्ताओं का कहना था कि जिले में किसानों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है और उन पर फर्जी मुकदमे दर्ज किये जा रहे। पीड़ितों की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं होती और ना ही गांव के सम्मानित पंचों द्वारा किए गए समझौतो को माना जा रहा है।

भाकियू जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में पदाधिकारी व कार्यकर्ता आज थाना सेक्टर-113 पहुंचे और **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

मनचले ने हाथ पकड़कर खींचा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 में एक युवती ने मनचले युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। युवती का आरोप है कि युवक उसका पीछा करता है और उस पर बात करने का दबाव डालता है। युवक की हरकतों के कारण उसका घर से बाहर निकलना भी दुभर हो गया है। सदरपुर गांव में किराए पर रहने वाली प्रिया (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि पड़ोस की काशीराम कॉलोनी में रहने वाला मुकुल नामक युवक उसे आए दिन परेशान करता है। बात न करने पर वह उसे तथा उसके परिजनों को जान से मारने की धमकी देता है। प्रिया के मुताबिक घर से निकलते ही वह उसका पीछा करना शुरू कर देता है और रास्ते में रोक **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

होटल में शराबियों का हुड़दंग, रोकने पर मारपीट

नोएडा (चेतना मंच)। होशियापुर गांव में बने एक होटल में शराब के नशे में धुत्त कुछ युवकों ने जमकर हंगामा मचाया। होटल संचालक ने जब युवकों को रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर अपनी कारों से फरार हो गए। होटल संचालक ने 6 नामजद तथा दो अज्ञात युवकों के खिलाफ थाना सेक्टर-24 में मुकदमा दर्ज कराया है।

गिझोड गांव निवासी अंकित चौधरी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह होशियापुर गांव की माता कॉलोनी में अंश नाम से होटल चलाता है। 10 सितंबर की रात्रि को उसके होटल में एक व्यक्ति ने किराए पर कमरा लिया। कुछ देर बाद होटल बुक करने वाले युवक के आठ अन्य साथी उसके कमरे में पहुंच गए और शोर शराबा करने लगे। शोर शराबा सुनकर वह कमरे में पहुंचा तो उसे सभी युवक शराब पीते हुए मिले। उसने जब होटल के कमरे में शराब पीने तथा हंगामा **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

मकान से चार मोबाइल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 क्षेत्र के याकूबपुर गांव में चोरों ने एक मकान से चार मोबाइल फोन चोरी कर लिए। चोरी की यह पूरी घटना मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। मूल रूप से जनपद एटा निवासी विवेक कुमार अपने तीन अन्य भाइयों के साथ याकूबपुर गांव में किराए पर रह रहा है। चारों भाई मेहनत मजदूरी कर अपना भरण पोषण कर रहे हैं। 22 अगस्त की रात्रि को चारों भाई अपने कमरे में सोए हुए थे और उनका दरवाजा खुला हुआ था। देर रात्रि अज्ञात चोर उनके कमरे में घुसा और चारों भाइयों के मोबाइल फोन को चोरी कर ले गया। सुबह उठने पर चारों भाइयों को अपने मोबाइल फोन गायब मिले। उन्होंने अपने फोन की तलाश की लेकिन कोई **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

2029 के पूर्व एनएमआरसी के किराये में नहीं होगी कोई वृद्धि : डॉ. लोकेश एम

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) वर्ष-2029 से पूर्व किसी भी तरह के किराये में कोई वृद्धि नहीं करेगा। यानी 10 वर्ष के बाद ही किराये में वृद्धि की जाएगी। यह जानकारी नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) के प्रबंध निदेशक डॉ. लोकेश एम ने दी।

बता दें कि नोएडा में एनएमआरसी के एक्वा लाइन पर ट्रेन का संचालन 25 जनवरी 2019 को शुरू हुआ था। एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक के मुताबिक 10 वर्ष के बाद ही किराये में वृद्धि की जाएगी। वहीं दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशान (डीएमआरसी) ने अपनी सभी मेट्रो रूटों पर किराये के वृद्धि की घोषणा कर दी है। एक सवाल के जवाब **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

भारत-पाक क्रिकेट मैच पर लगे प्रतिबंध

भाजपा व्यापार मोर्चा के जिला संयोजक ने पीएम को लिखा पत्र

नोएडा (चेतना मंच)। भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच पर तत्काल रोक लगाने के आदेश दिए जाएं। यदि मैच हुए तो हमारी उन माताओं व बहनों के साथ यह नाइंसाफी होगी जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर तथा पुलवामा में आतंकियों के हमले में अपने बेटों, पतियों व भाईयों को खो दिया। यह मांग की उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष तथा भाजपा व्यापार मोर्चा के जिला संयोजक विकास जैन ने।

प्रधानमंत्री को भेजे पत्र में विकास जैन ने कहा कि हम अपने देश की महिलाओं के स्वाभिमान की रक्षा पहले चाहिए। वहीं देश के ऑपरेशन सिंदूर में शहीद सैनिकों की

शहादत के मददेनजर भी क्रिकेट का निर्णय वापस लेना चाहिए।

पत्र में उन्होंने कहा कि देश की महिलाओं के स्वाभिमान को देखते हुए भारत-पाकिस्तान मैच पर तुरंत रोक लगाई जाए।

सीईओ के आदेश से अफसरों व ठेकेदारों में हड़कंप!

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण द्वारा जारी होने वाली निविदाओं को लेकर कई सवाल पैदा हो रहे हैं जिसने एक बार मातहत अफसरों की कार्यशैली को सवालों के कटघरे में खड़ा कर दिया है। स्वयं प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने इस कार्यशैली पर सवाल खड़े करके सभी निविदाओं पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। वहीं वित्तीय वर्ष-2023-24 तथा 2024-25 के सभी तरह के कराये गये कार्यों का ब्यौरा एक सप्ताह में तलब किया है। इस संबंध में उन्होंने विभिन्न विभागों के लिए दो कार्यालय आदेश भी जारी किए हैं। सीईओ के इस आदेश से प्राधिकरण के सभी विभागों के कई अधिकारियों तथा ठेकेदारों में हड़कंप मच गया है।

सीईओ का स्पष्ट मानना है कि सभी विभागों के डीजीएम से लेकर वरिष्ठ प्रबंधकों द्वारा उनकी जानकारी के बिना भुगतान कर दिये गये। उनके इस आदेश से प्राधिकरण में हड़कंप मच गया है।

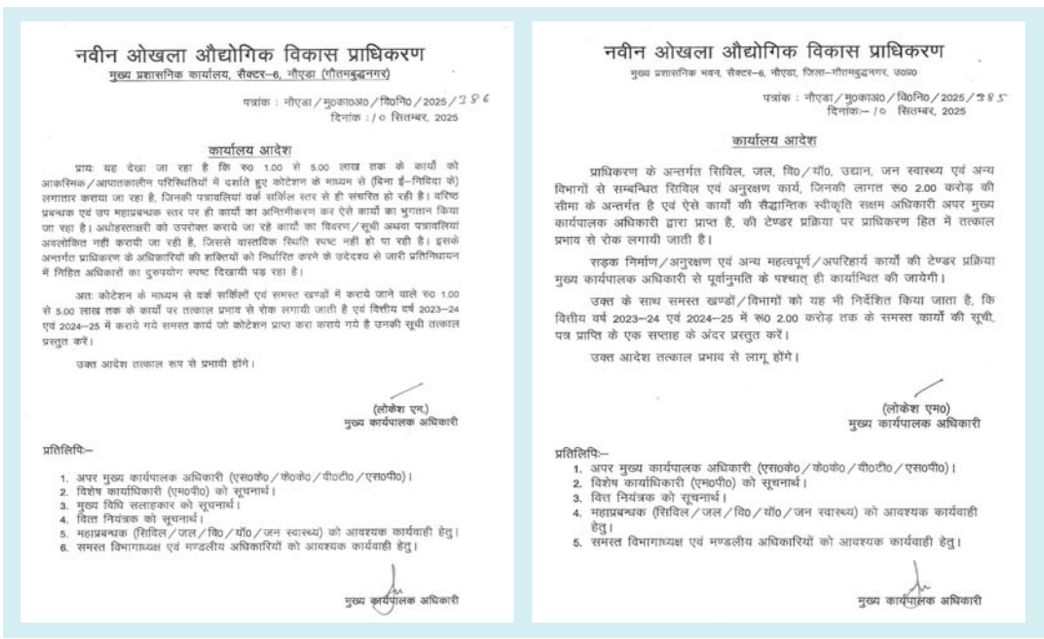

नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
मुख्य प्रशासनिक कार्यालय, सैक्टर-6, नौएडा (गौतमबुद्धनगर)

पत्रांक : नौएडा/मु0का0अ0/वि0नि0/2025/386
दिनांक : 10 सितम्बर, 2025

कार्यालय आदेश

प्रायः यह देखा जा रहा है कि रु0 1.00 से 5.00 लाख तक के कार्यों को आकस्मिक/आपातकालीन परिस्थितियों में दर्शाते हुए कोटेशन के माध्यम से (बिना ई-निविदा के) लगातार कराया जा रहा है, जिनकी पत्रावलियां वर्क सर्किल स्तर से ही संचरित हो रही है। वरिष्ठ प्रबन्धक एवं उप महाप्रबन्धक स्तर पर ही कार्यों का अन्तिमीकरण कर ऐसे कार्यों का भुगतान किया जा रहा है। अधोहस्ताक्षरी को उपरोक्त कराये जा रहे कार्यों का विवरण/सूची अथवा पत्रावलियां अवलोकित नहीं करायी जा रही है, जिससे वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। इसके अन्तर्गत प्राधिकरण के अधिकारियों की शक्तियों को निर्धारित करने के उद्देश्य से जारी प्रतिनिधायन में निहित अधिकारों का दुरुपयोग स्पष्ट दिखायी पड़ रहा है।

अतः कोटेशन के माध्यम से वर्क सर्किलों एवं समस्त खण्डों में कराये जाने वाले रु0 1.00 से 5.00 लाख तक के कार्यों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगायी जाती है एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में कराये गये समस्त कार्य जो कोटेशन प्राप्त करा कराये गये है उनकी सूची तत्काल प्रस्तुत करें।

उक्त आदेश तत्काल रूप से प्रभावी होंगे।

(लोकेश एम.)
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

प्रतिलिपि:-

1. अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एस0के0/के0के0/वी0टी0/एस0पी0)।
2. विशेष कार्याधिकारी (एम0पी0) को सूचनार्थ।
3. मुख्य विधि सलाहकार को सूचनार्थ।
4. वित्त नियंत्रक को सूचनार्थ।
5. महाप्रबन्धक (सिविल/जल/वि0/याँ0/जन स्वास्थ्य) को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
6. समस्त विभागाध्यक्ष एवं मण्डलीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी

नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, नौएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0

पत्रांक : नौएडा/मु0का0अ0/वि0नि0/2025/385
दिनांक:- 10 सितम्बर, 2025

कार्यालय आदेश

प्राधिकरण के अन्तर्गत सिविल, जल, वि0/याँ0, उद्यान, जन स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों से सम्बन्धित सिविल एवं अनुरक्षण कार्य, जिनकी लागत रू0 2.00 करोड़ की सीमा के अन्तर्गत है एवं ऐसे कार्यों की सैद्धान्तिक स्वीकृति सक्षम अधिकारी अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा प्राप्त है, की टेण्डर प्रक्रिया पर प्राधिकरण हित में तत्काल प्रभाव से रोक लगायी जाती है।

सड़क निर्माण/अनुरक्षण एवं अन्य महत्वपूर्ण/अपरिहार्य कार्यों की टेण्डर प्रक्रिया मुख्य कार्यपालक अधिकारी से पूर्वानुमति के पश्चात् ही कार्यान्वित की जायेगी।

उक्त के साथ समस्त खण्डों/विभागों को यह भी निर्देशित किया जाता है, कि वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में रू0 2.00 करोड़ तक के समस्त कार्यों की सूची, पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अंदर प्रस्तुत करें।

उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

(लोकेश एम0)
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

प्रतिलिपि:-

1. अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एस0के0/के0के0/वी0टी0/एस0पी0)।
2. विशेष कार्याधिकारी (एम0पी0) को सूचनार्थ।
3. वित्त नियंत्रक को सूचनार्थ।
4. महाप्रबन्धक (सिविल/जल/वि0/याँ0/जन स्वास्थ्य) को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
5. समस्त विभागाध्यक्ष एवं मण्डलीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी

उन्होंने कहा कि देखा गया है कि ई-टेंडर के मानकों का उल्लंघन करके ठेकेदारों को भुगतान कर दिया गया। ऐसा करके कई अधिकारी मिले अधिकारों का खुलेआम दुरूपयोग कर रहे हैं।

सीईओ ने आदेश जारी कर सिविल , अन्य खंडों में कोटेशन के जरिए 1 से 5 लाख तक के सभी कार्यों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इसी तरह सिविल, जल विद्युत यांत्रिकी , उद्यान , जन स्वास्थ्य और अन्य विभागों से संबंधित सिविल और अनुरक्षण कार्य जिनकी लागत 2 करोड़ की सीमा में है। ऐसे कार्यों की सैद्धांतिक स्वीकृति अपर मुख्य कार्य पालक अधिकारी से मिलती है। इन सभी कार्यों की टेंडर प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। बिना सीईओ की अनुमति के अब कार्यों के लिए टेंडर नहीं होंगे। सीईओ ने कोटेशन के जरिए 1 से 5 लाख तक और 2 करोड़ **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

राधाकृष्णन का चयन

इसमें दो राय नहीं कि भारत के पंद्रहवें उपराष्ट्रपति के रूप में सीपी राधाकृष्णन का चुनाव विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संवैधानिक यात्रा में निरंतरता और परिवर्तन, दोनों का ही प्रतीक है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग के उम्मीदवार के रूप में उन्होंने विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। यह जीत राजग सरकार की विधायी शक्ति और संगठनात्मक अनुशासन को भी रेखांकित करती है। निस्संदेह, भाजपा के लिये, सीपी राधाकृष्णन का चयन एक रणनीतिक कदम ही है। तमिलनाडु के एक अनुभवी नेता, जिनकी आरएसएस में गहरी जड़ें रही हैं, ने पार्टी में महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी भूमिकाएं भी निभाई हैं। वे पार्टी से दो बार लोकसभा के लिये सांसद चुने गए। राज्यपाल पद से उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिये पदोन्नत करके, एनडीए ने न केवल उनकी निष्ठा और अनुभव को पुरस्कार दिया है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में एक दक्षिण भारत के चेहरे को प्रतिष्ठा देकर अपने दूरगामी इरादों को भी जाहिर कर दिया है। जिसका एक सिरा भाजपा के दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के रूप में पार्टी की एक व्यापक महत्वाकांक्षा से भी जुड़ता है। उस महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र में जहां उसे पारंपरिक रूप से चुनावी पैठ बनाने के लिए अब भी संघर्ष करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि सीपी राधाकृष्णन को राजग के उपराष्ट्रपति पद के लिये उम्मीदवार बनाने के निर्णय ने सबको चौंकाया था। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय उनकी राजनीतिक स्मृति की विरासत को भी दर्शाता है। पार्टी के उन नेताओं का सम्मान करना, जिनकी पार्टी के कठिन वर्षों के दौरान की दृढ़ता ने आज की मजबूत भाजपा के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं उनका चुना जाना विपक्ष के राजग का सशक्त विकल्प बनाने के संघर्ष को भी उजागर करता है। उप राष्ट्रपति पद के चुनाव में हार का अंतर न केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ताकत को दर्शाता है बल्कि वहीं दूसरी ओर विपक्ष की फूट और क्रॉस-वोटिंग को भी दर्शाता है। बहरहाल, सीपी राधाकृष्णन का उप राष्ट्रपति पद के लिये चुना जाना विपक्ष के लिये एक सबक जैसा भी है। जो उसे याद दिलाता है कि प्रतीकात्मक मुकाबले एक सुसंगत रणनीति का विकल्प नहीं हो सकते। निर्विवाद रूप से उपराष्ट्रपति का पद केवल औपचारिक व्यक्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वे सांविधानिक पद सोपान में दूसरे सबसे ऊंचे पद पर तो आसीन होते ही हैं, राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उनकी जिम्मेदारियां भी महत्वपूर्ण होती हैं। राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उन्हें उच्च सदन में अकसर होने वाले हंगामेदार वाद-विवादों का भी शालीनतापूर्वक निपटारा करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि उनके नेतृत्व में राज्यसभा की कार्यवाही अधिक समावेशी हो सकेगी और सदन में जन सरोकारों से जुड़ा अधिक कार्य हो सकेगा। उनके लिये चुनौती होगी कि वे अपनी वैचारिक संबद्धता के बावजूद, सदन की कार्यवाही के संचालन में निष्पक्षता और न्यायसंगतता का प्रदर्शन करें। यह निर्विवाद सत्य है कि संसद की विश्वसनीयता अध्यक्ष की दलीय सीमाओं से परे सम्मान अर्जित करने की क्षमता पर निर्भर करती है। ऐसे समय में जब संसदीय कार्यप्रणाली सार्वजनिक विमर्श के दायरे में है, अगर राधाकृष्णन दलगत दबावों से ऊपर उठ सकते हैं, विधायी बहस को मजबूत कर सकते हैं और राज्यसभा की गरिमा का संवर्धन करते हैं, तो उनकी विरासत दलीय निष्ठा से कहीं आगे प्रतिष्ठा हासिल करेगी। यह भी एक हकीकत है कि राधाकृष्णन ऐसे वक्त में यह पद संभालेंगे जब सरकार और विपक्ष के बीच असहमति की खाई ज्यादा गहरी नजर आती है। यही असहमति सर्वसम्मत चुनाव पर एक राय नहीं बना पायी है। आने वाले समय में उन्हें पक्ष और विपक्ष को साथ लेकर विधायी कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। निस्संदेह, उनकी भूमिका गरिमामय संसदीय परंपराओं को अक्षुण्ण बनाये रखने में भी होगी। जिसके लिये उन्हें राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से मुक्त नजर भी आना होगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं की कसौटी पर खरे उतरेंगे।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि मन को प्रेम में मग्न जान राजा जनक ने विवेक का आश्रय लेकर धीरज धारण किया और मुनि के चरणों में सिर नवाकर गद्गद् (प्रेमभरी) गंभीर वाणी से कहा- ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कहहु नाथ सुंदर दोउ बालक। मुनिकुल तिलक कि नृपकुल पालक॥
ब्रह्म जो निगम नेति कहि गावा। उभय बेष धरि की सोइ आवा॥

हे नाथ! कहिए, ये दोनों सुंदर बालक मुनिकुल के आभूषण हैं या किसी राजवंश के पालक? अथवा जिसका वेदों ने नेति कहकर गान किया है कहीं वह ब्रह्म तो युगल रूप धरकर नहीं आया है?॥

सहज बिरागरूप मनु मोरा। थकित होत जिमि चंद चकोरा॥
ताते प्रभु पूछउँ सतिभाऊ। कहहु नाथ जनि करहु दुराऊ॥

मेरा मन जो स्वभाव से ही वैराग्य रूप (बना हुआ) है, (इन्हें देखकर) इस तरह मुग्ध हो रहा है, जैसे चन्द्रमा को देखकर चकोर। हे प्रभो! इसलिए मैं आपसे सत्य (निश्छल) भाव से पूछता हूँ। हे नाथ! बताइए, छिपाव न कीजिए॥

इन्हहि बिलोकत अति अनुरागा। बरबस ब्रह्मसुखहि मन त्यागा॥
कह मुनि बिहसि कहेहु नृप नीका। बचन तुम्हार न होइ अलीका॥

इनको देखते ही अत्यन्त प्रेम के वश होकर मेरे मन ने जबर्दस्ती ब्रह्मसुख को त्याग दिया है। मुनि ने हँसकर कहा- हे राजन! आपने ठीक (यथार्थ ही) कहा। आपका वचन मिथ्या नहीं हो सकता॥

(क्रमशः...)

समाज को सदैव सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक हैं मोहन भागवत

भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का रिश्ता नया नहीं है। दोनों का वैचारिक स्रोत समान है, किंतु समय-समय पर दूरी और निकटता की स्थिति भी बनी रहती है। हाल की राजनीतिक घटनाओं ने एक बार फिर इस रिश्ते को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर में संघ मुख्यालय जाना, स्वतंत्रता दिवस के भाषण से लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर लिखे गए भावनात्मक आलेख तक, और हाल ही में मोहन भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना, ये सब घटनाएं संकेत देती हैं कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद संघ की छत्रछाया को पहले से कहीं अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है।

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रही थी। अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनावों के परिणाम अप्रत्याशित थे। पिछले एक दशक तक भाजपा जिस तरह मोदी के चेहरे और संगठनात्मक शक्ति के बल पर जीत दर्ज करती रही थी, उसमें 2024 का चुनाव परिणाम झटका देने वाला था। देखा जाये तो मोदी का प्रधानमंत्री के रूप में तीसरा कार्यकाल गठबंधन सरकार की मजबूरी के साथ शुरू हुआ। ऐसे माहौल में संघ का सहारा भाजपा के लिए स्वाभाविक था। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा बनी थी कि भाजपा ने चुनावी रणनीति और प्रचार की ताकत से संघ पर निर्भरता कम कर दी है। लेकिन 2024 के चुनाव के बाद तस्वीर बदल गई। संघ के सक्रिय सहयोग और भागवत के आशीर्वाद से भाजपा ने महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्यों में जीत हासिल की। इन चुनाव परिणामों ने यह संदेश दिया कि संघ के संगठनात्मक नेटवर्क, जमीनी कार्यकर्ताओं और सामाजिक पहुंच के बिना भाजपा की जीत अधूरी है।

मोहन भागवत और नरेंद्र मोदी की हाल की नजदीकियों को इसी संदर्भ में समझना चाहिए। प्रधानमंत्री का संघ प्रमुख की खुलकर तारीफ करना और उनके मार्गदर्शन को राष्ट्रहित से जोड़ना यह बताता है कि भाजपा अब फिर से अपनी जड़ों की ओर लौट रही है। वहीं, भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना यह संकेत देता है कि संघ भी इस समय भाजपा के भीतर शक्ति संतुलन बनाने और उसे स्थिरता प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है।

राजनीतिक दृष्टि से यह घटनाक्रम कई संकेत देता है। जैसे केवल मोदी के नेतृत्व और भाजपा की चुनावी मशीनरी से जीत अब सुनिश्चित नहीं है। चुनावी राजनीति में विचारधारा, संगठनात्मक अनुशासन और सामाजिक नेटवर्क की गहराई का कोई विकल्प नहीं है। भाजपा और संघ दोनों को अब यह अहसास है कि एक-दूसरे के बिना उनकी शक्ति अधूरी है। साथ ही आने वाले विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी के लिए भाजपा को संघ की जमीनी ताकत और वैचारिक छवि दोनों की आवश्यकता होगी।

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रही थी। अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनावों के परिणाम अप्रत्याशित थे।

देखा जाये तो भाजपा की 2024 की असफलता और उसके बाद की राजनीतिक परिस्थितियों ने साफ कर दिया है कि सत्ता की डगर पर अकेले चलने का दावा अब टिकाऊ नहीं है। संघ की शरण में लौटकर भाजपा ने एक तरह से अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने का फैसला किया है। महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा की जीतें यह संदेश देती हैं कि जब संघ-भाजपा एक साथ चलते हैं, तब उनकी राजनीतिक ताकत कई गुना बढ़ जाती है।

आने वाले समय में यह देखना रोचक होगा कि संघ इस साझेदारी को किस तरह संतुलित करता है और भाजपा किस हद तक अपनी राजनीतिक रणनीतियों में संघ की सलाह और आशीर्वाद को स्थान देती है। इतना तो निश्चित है कि आज की तारीख में भाजपा की राजनीति फिर से उसी पुराने सूत्र पर लौट आई है- संघ ही शक्ति का आधार है।

जहां तक मोहन भागवत के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखे गये आलेख की बात है तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री ने लिखा है कि 11 सितम्बर का दिन इतिहास में विशेष महत्व रखता है। यह वही तिथि है जब 1893 में स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो में अपने ओजस्वी शब्दों – "Sisters and Brothers of America" – से भारत की आध्यात्मिक धारा और सार्वभौमिक भाईचारे की अवधारणा को विश्वपटल पर स्थापित किया। यही दिन 2001 में आतंकवाद की विभीषिका का साक्षी भी बना, जब मानवता पर 9/11 का हमला हुआ। एक ओर यह दिन वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश देता है, तो दूसरी ओर यह दिखाता है कि चरमपंथ और हिंसा किस प्रकार सभ्यता को चुनौती देते हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि इसी तिथि पर एक और प्रसंग उल्लेखनीय है। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का जन्मदिन है। जब संघ अपनी शताब्दी के वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तब उनका 75वाँ जन्मदिन हमें उनके योगदान और नेतृत्व की भूमिका पर विचार करने का अवसर देता है।

प्रधानमंत्री ने लिखा है कि मधुकरराव भागवत के सुपुत्र मोहन भागवत ने अपने जीवन का आरंभ उसी वातावरण में किया, जहाँ राष्ट्र को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा सहज ही मिलती थी। 1970 के दशक में प्रचारक बने मोहनराव ने आपातकाल के कठिन समय में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु संघर्ष किया। ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में कार्य करते हुए उन्होंने समाज की गहराई को समझा और उसकी पीड़ा को अनुभव किया। यही अनुभव आगे चलकर उनके नेतृत्व का आधार बने।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा है कि भागवत जी का नेतृत्व केवल संघ के भीतर सीमित नहीं रहा। उन्होंने संगठनात्मक परम्पराओं को बनाए रखते हुए समय की मांग के अनुसार परिवर्तन किए। गणवेश में बदलाव हो या शिक्षा वर्गों में सुधार, उनका दृष्टिकोण हमेशा व्यावहारिक और भविष्यदृष्टा रहा। सबसे महत्वपूर्ण यह कि उन्होंने युवाओं के साथ जीवंत संवाद बनाए रखा, जिससे संघ आज के डिजिटल युग में भी प्रासंगिक और सक्रिय बना हुआ है।

प्रधानमंत्री ने लिखा है कि कोविड-19 महामारी के समय उनका मार्गदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। उन्होंने तकनीक का उपयोग बढ़ाने और सेवा कार्यों को नई ऊर्जा देने की प्रेरणा दी। इसी प्रकार उनके 'पंच परिवर्तन'- सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्य, पर्यावरण चेतना, राष्ट्रीय आत्मबोध और नागरिक कर्तव्य- समाज को नई दिशा देने वाले स्पष्ट सूत्र हैं। यही वे आधार हैं जिन पर एक भारत श्रेष्ठ भारत की कल्पना साकार हो सकती है।

प्रधानमंत्री ने लिखा है कि भागवत जी की सबसे बड़ी विशेषता है उनकी सरलता और श्रवणशीलता। वह विचार सुनते हैं, संवाद करते हैं और फिर निर्णय लेते हैं। यही गुण उन्हें युवाओं, बुद्धिजीवियों और समाज के विविध वर्गों से जोड़ता है। उनकी शैली आदेशात्मक नहीं, बल्कि प्रेरणादायी है। यही कारण है कि स्वयंसेवक सेवा, समरसता और राष्ट्रप्रेम के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहते हैं।

प्रधानमंत्री ने लिखा है कि आज भारत अमृतकाल की ओर अग्रसर है। आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा के इस दौर में हमें ऐसे नेतृत्वकर्ताओं की आवश्यकता है, जो समाज को सही दिशा दिखा सकें। मोहन भागवत का योगदान इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। वह परम्परा और आधुनिकता, आदर्श और व्यावहारिकता, संगठन और समाजङ्क इन सबके बीच संतुलन साधते हैं।

बहरहाल, 11 सितम्बर का दिन हमें स्वामी विवेकानन्द की सार्वभौमिक दृष्टि और मोहन भागवत के राष्ट्रनिष्ठ नेतृत्व- दोनों की याद दिलाता है। एक ने विश्व को भारत की आत्मा से परिचित कराया, दूसरे आज उस आत्मा को संगठन और समाज में सशक्त कर रहे हैं। मोहन भागवत न केवल संघ के सरसंघचालक हैं, बल्कि भारतीय समाज को सही दिशा देने वाले प्रेरक भी हैं। भारत की सांस्कृतिक जड़ों को संभालते हुए और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप समाज को तैयार करना, यही उनका सबसे बड़ा योगदान है। इसीलिए कहा जा सकता है कि 75 वर्ष के मोहन भागवत आज वसुधैव कुटुम्बकम् की जीवंत प्रतिमूर्ति हैं, और राष्ट्र की सामूहिक चेतना को नई ऊर्जा देने वाले मार्गदर्शक भी।

-नीरज कुमार दुबे

प्राकृतिक आपदा और पुनर्निर्माण पर विमर्श

हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज अभी भी बिगड़ा हुआ है और आमजन में इस बार हुई तबाही को लेकर बेचैनी का आलम है। 20 जून से 9 सितंबर, 2025 तक बादल फटने, अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन की घटनाओं से इस बार हिमाचल प्रदेश को अनुमानित 4122 करोड़ का नुकसान हुआ है। हिमाचल में तीन नेशनल हाईवे के साथ 744 सडक़ें बंद पड़ी हुई हैं। इसके साथ ही प्रदेश में 959 बिजली ट्रांसफार्मर खराब हुए हैं तो 472 पेयजल की योजनाएं भी बंद हैं और 466 लोगों की मृत्यु हुई है। इसी बीच मंगलवार 9 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने हिमाचल दौरे के दौरान हुए नुकसान का जायजा लिया, 1500 करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की और मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दिए जाने की बात कही है। दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र इस बार सिर्फ विधायी औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सत्र से पहले और सत्र के दौरान ही प्रदेश में भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से आमजन को हो रही पीड़ा, संकट और उम्मीदों पर चर्चा का गवाह भी बना।

18 अगस्त से 2 सितंबर 2025 तक चले इस सत्र में बारह बैठकों में कई बार राजनीतिक टकराव, विपक्ष के बहिष्कार और सत्ता पक्ष की सफाई पर ध्यान आकर्षित किया, लेकिन सबसे गहरी गूंज आपदा और उससे जुड़े पुनर्निर्माण की ही रही। इस बार लगातार बारिश, भूस्खलनों और बादल फटने की घटनाओं ने प्रदेश के कई जिलों के नागरिकों को असहज और असहाय स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग लंबे समय तक ठप रहा तो वहीं मणिमहेश यात्रा भी स्थगित करनी पड़ी। कई जगहों पर कई किलोमीटर सडक़ें धरातल पर से ही गायब हो चुकी हैं। बागवानों का नुकसान अलग है क्योंकि उनके सेब बॉक्स सेब बागानों से निकल ही नहीं पा रहे हैं, वहीं दूरसंचार सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। मॉनसून और बारिश के तांडव के चलते हिमाचल के शिक्षण संस्थानों में छुट्टियां करनी पड़ी हैं। कुल मिलाकर इस बार मॉनसून की बारिशों ने हिमाचल के नागरिकों को वर्षों न भूलने वाले जख्म दिए हैं। हिमाचल सरकार ने राज्य में आई इस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया है और मानचित्र आधारित क्षति का विस्तृत आकलन, जीआईएस आधारित तस्वीरें और व्ययों का ब्यौरा केंद्र सरकार को भेजा गया है। इन हालात ने यह साफ कर दिया कि हिमाचल की त्रासदी महज प्राकृतिक आपदा भर नहीं है, बल्कि अव्यवस्थित निर्माण, अंधाधुंध कटान और जलवायु परिवर्तन के संगम से पैदा हुआ एक संरचनात्मक संकट है। वहीं कई नागरिकों की मान्यता में धर्मस्थलों में लोगों का गैर मर्यादित व्यवहार, आचरण एवं पहनावा भी कहीं न कहीं देवताओं की नाराजगी से उपजा संकट है।

आपदा की गूंज के साथ-साथ विधानसभा में आर्थिक हालात का बोझ भी चर्चा में रहा। राज्य का राजस्व घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत यानी लगभग 6390 करोड़ रुपए आंका गया है, जबकि वित्तीय घाटा 4 प्रतिशत यानी 10338 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

कर्ज का बोझ एक लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच गया है, ऐसे में राहत और पुनर्निर्माण के लिए संसाधन जुटाना सरकार के लिए किसी कठिन पहाड़ी चढ़ाई चढऩे जैसा ही है। इसी बीच कर्मचारियों और पेंशनरों की मांगों की आवाज भी सदन के गलियारों में गूंजती रही। जुलाई 2023 से लंबित महंगाई भत्ते का एरियर, छठे वेतन आयोग के लाभ और लंबे समय से रोके गए महंगाई भत्तों की मांग को लेकर कर्मचारी आंदोलित हैं तो विपक्ष ने भी इसे मुद्दा बनाकर सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है, जबकि सत्ता पक्ष ने आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए पहली प्राथमिकता आपदा राहत कार्यों को बताया है। राजनीतिक दृष्टि से यह सत्र दिलचस्प रहा, सरकार और विपक्ष दोनों आपदा पर गंभीर दिखे, लेकिन रणनीति अलग-अलग रही। तथ्य यह भी रहा कि सत्र ने विधायी कार्यों की दृष्टि से भी अपना महत्व बनाए रखा। कुल 11 सरकारी विधेयक पास किए गए, एक विधेयक वापस लिया गया और शून्यकाल के दौरान 43 मुद्दे उठाए गए। नियम 67, 62, 130, 101 और 102 जैसे प्रावधानों के तहत लंबी बहसें चलीं। आपदा पर ही 33 घंटे चर्चा हुई। प्रश्नकाल के दौरान कुल 690 सवाल उठे और 1118 बच्चों ने सदन की कार्यवाही को प्रत्यक्ष देखा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सत्र के समापन पर कहा कि यह खट्टे-मीठे अनुभवों का समय रहा और भविष्य में अगस्त की बजाय सितंबर में सत्र बुलाने पर विचार होना चाहिए, क्योंकि अगस्त का महीना आपदा की दृष्टि से हमेशा कठिन रहता आया है।

विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने भी स्वीकार किया कि सत्र लंबा और उपयोगी रहा, लेकिन उन्होंने सरकार पर आर्थिक प्रबंधन में असफलता और संस्थान बंद करने जैसी नीतियों को लेकर सवाल उठाए। कुल मिलाकर, यह मानसून सत्र प्रदेश की त्रासदी और राजनीति दोनों का मंच बना। जनता की नजर में असली सवाल यही है कि क्या इन बहसों से कोई ठोस समाधान निकला? निष्कर्षतः यही कहा जा सकता है कि 2025 का मानसून हिमाचल के लिए एक और कठिन परीक्षा बन गया। ऐसे में विधानसभा सत्र तभी सार्थक साबित होगा जब तात्कालिक राहत, कर्मचारियों-पेंशनरों की जायज मांगों, दीर्घकालीन ढांचागत सुधार और वित्तीय अनुशासन को समान प्राथमिकता दी जाएगी। राजनीति के आरोप-प्रत्यारोप से परे, जनता अपना मूल्यांकन इस आधार पर करेगी कि सडक़ें कितनी जल्दी खुलती हैं, बिजली-पानी कितनी तेजी से बहाल होते हैं और पुनर्निर्माण कितनी दूरदर्शिता से किया जाता है। हिमाचल की जनता अब भाषणों से आगे बढक़र धरातल पर परिणाम चाहती है और यही इस मानसून सत्र की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। **-अनुज आचार्य**

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष पंचमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
ऊर्जावान बने रहेंगे। यह ऊर्जा सात्विक होगी, पॉजिटिव होगी। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी होगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
सिरदर्द, नेत्रपीड़ा व स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। मानसिक स्वास्थ्य व शारीरिक स्वास्थ्य दोनों ही गड़बड़ रहेंगे।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रेम-संतान अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
बचकर पार करें। कोई रिस्क न लें। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। दुर्घटना का योग है। प्रेम-संतान का साथ होगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रु पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। मां का साथ होगा लेकिन कलहकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
पराक्रमी बने रहेंगे। व्यावसायिक ऊर्जा कूट-कूटकर भरी रहेगी। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम-संतान का साथ होगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
धन का आवक बढ़ेगा। लिक्विड फंड में बढ़ोतरी होगी। अपनों में बढ़ोतरी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम का साथ होगा।

भाजपा का मंडल कार्यशाला हुआ आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला के तीन मंडलों—ग्रेटर नोएडा, जेवर और रबूपुरा—में आगामी सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इस को लेकर कल ग्रेटर नोएडा मंडल कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में भाजपा के जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यशाला में सेवा पखवाड़ा, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव, एमएलसी शिक्षक और स्नातक चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक अपना सहयोग देंगे और जनता तक सेवा पखवाड़े की संदेश को मजबूती से पहुंचाएंगे।

भाजपा के सभी नेताओं ने इस अवसर पर यह संकल्प लिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन से लेकर गांधी जयंती तक चलने वाले इस अभियान को समाजसेवा, स्वच्छता और जनकल्याण के प्रति भाजपा की निष्ठा और समर्पण का प्रतीक बनाया जाएगा। सभी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ तक पहुँचकर इस अभियान को सफल बनाने में पूरी सक्रियता से योगदान देंगे।

कार्यशाला में जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी, जिला उपाध्यक्ष सतेन्द्र नागर, कर्मवीर आर्य, विकाश चौधरी, अर्पित तिवारी, गजेन्द्र सिंह, सुनील ठाकुर, सुनील रावत, अशोक शर्मा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुलेसरा में LMC की जमीन पर भूमाफियाओं का डाका

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भूमाफियाओं एवं अपराधियों के खिलाफ निरंतर सख्त कार्यवाही की जा रही है। वहीं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अस्थानीय जेई एवं स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से कुलेसरा स्थित खसरा नं-595 जो डूब क्षेत्र में है। यह पूरी जमीन LMC में दर्ज है। लेकिन भूमाफिया ने इस जमीन पर कालोनी काटकर भोले-भाले लोगों को ठगने का काम किया है।

बताया जाता है कि उक्त खसरा नंबर की जमीन साढ़े आठ बीघे के करीब है जिसकी अनुमानित कीमत करोड़ों रूपए में आंकी गई है। इस जमीन पर गांव की कुछ लोग स्थानीय पुलिस एवं ग्रेटर नोएडा

प्राधिकरण से मिलीभगत कर उस पर अवैध कालोनी काटकर मालामाल हो गए। यदि मामले की जांच की जाए तो इसमें कई लोगों की गर्दन फंस सकती है, परन्तु सुविधा शुल्क के आगे ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से लेकर पुलिस की बोलती बंद है।

अब देखना यह है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बुलडोजर इस जमीन पर चलता है या नहीं यह आने वाला समय बताएगा।

समान बिल्डिंग बायलॉज को तत्काल वापस ले सरकार : सुरेन्द्र नाहटा

नोएडा (चेतना मंच)। एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन नोएडा ने उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की है कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) पर प्रदेश के अन्य शहरी विकास प्राधिकरणों की तरह समान बिल्डिंग बायलाज लागू करने के प्रस्ताव को तत्काल वापस लिया जाए। एसोसिएशन ने इसे 'उद्योगों के साथ सीधा छलावा' और 'कानूनी ढांचे के खिलाफ' बताया है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नाहटा ने बताया कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा प्राधिकरणों का गठन उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास अधिनियम, 1976 के तहत किया गया था, जबकि प्रदेश के अन्य विकास प्राधिकरण नगर निगम व शहरी विकास अधिनियम, 1973 के अंतर्गत आते हैं। दोनों ही अधिनियमों के उद्देश्य और प्रावधान अलग-अलग हैं।

उन्होंने कहा कि औद्योगिक प्राधिकरणों की स्थापना का मुख्य उद्देश्य उद्योगों को बढ़ावा देना, निवेश आकर्षित करना और

रोजगार सृजन करना था, जबकि अन्य शहरी विकास प्राधिकरण निवासी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों के विकास के लिए बने हैं। ऐसे में दोनों पर समान बिल्डिंग बायलाज लागू करना औद्योगिक विकास के साथ अन्याय है।

एसोसिएशन ने यह भी कहा कि हजारों उद्यमियों ने प्राधिकरणों से भूखंड खरीदकर उद्योग स्थापित किए हैं। अब समान बिल्डिंग बायलाज लागू करना पहले से स्थापित उद्योगों के साथ ठगी के समान है, क्योंकि उन्होंने मौजूदा औद्योगिक नीति और बायलाज के आधार पर निवेश किया था। नई नीति से उनका निवेश और उत्पादन दोनों प्रभावित होंगे।

एसोसिएशन के अनुसार औद्योगिक क्षेत्रों में बिल्डिंग बायलाज उद्योग की ज़रूरतों के अनुरूप अलग होने चाहिए। शहरी/निवासी क्षेत्रों के नियम उद्योगों पर थोपने से नोएडा के औद्योगिक माहौल और निवेश दोनों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

एसोसिएशन ने माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि समान बिल्डिंग बायलाज का प्रस्ताव वापस लिया जाए, औद्योगिक प्राधिकरणों के लिए अलग उद्योगहितैषी बायलाज तैयार किए जाएं, पहले से भूखंड लेकर उद्योग चलाने वालों के अधिकारों और निवेश की कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि प्रदेश सरकार ने इस प्रस्ताव को वापस नहीं लिया तो यह मामला न्यायालय तक भी ले जाया जा सकता है, क्योंकि यह कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन और निवेशकों के साथ धोखा है।

सेक्टर बीटा वन में सफाई व्यवस्था पर सवाल, आरडब्ल्यूए ने जताई नाराजगी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

सेक्टर बीटा वन में सफाई व्यवस्था को लेकर निवासियों ने असंतोष व्यक्त किया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग द्वारा सफाई का टेंडर साईं नाथ कंपनी को दिया गया है। कंपनी को निर्देशित किया गया है कि सेक्टर की सभी गलियों में हर तीसरे दिन झाड़ू लगाकर पत्तों को उठाया जाए। लेकिन वहां पर कोई सफाई का कार्य नहीं किया जा रहा है।

सेक्टर के कुछ निवासी शिकायत कर रहे हैं कि सफाई केवल दिखावे के लिए की जा रही है और गलियों में असली सफाई नहीं हो रही। महिलाओं ने बताया

कि आरडब्ल्यूए की टीम आई है तो सफाई की जा रही है, अन्य दिनों में सही से सफाई नहीं होती।

महासचिव हरेन्द्र भाटी ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग और ठेकेदार से मांग किया है कि सेक्टर बीटा वन की सभी गलियों में नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाए।

शारदा अस्पताल में पेशेंट सेफ्टी वीक मरीजों और स्टाफ में बढ़ी जागरूकता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा अस्पताल में इस वर्ष पेशेंट सेफ्टी वीक मनाया जा रहा है। इस साल का विषय है प्रत्येक नवजात शिशु और प्रत्येक बच्चे के लिए सुरक्षित देखभाल, जो बच्चों की स्वास्थ्य सेवाओं में सुरक्षा सुधार पर केंद्रित है।

इस अवसर पर अस्पताल के विभिन्न विभागों ने मरीजों और स्टाफ के लिए जागरूकता कार्यक्रम और प्रदर्शनी का आयोजन किया। अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. राममूर्ति ने बताया कि सप्ताह के दौरान समस्त स्टाफ को मरीजों की सुरक्षा से संबंधित शपथ दिलाई गई। साथ ही, अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज की सुरक्षा और बेहतर

इलाज सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों और पैरामेडिकल स्टाफ को विशेष जानकारी दी जा रही है।

डॉ. राममूर्ति ने बताया कि मरीजों की सुरक्षा, मेडिकेशन ऐप और मेडिकेशन सेफ्टी से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में स्टाफ को जानकारी दी जा रही है। इस दौरान अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। पेशेंट सेफ्टी वीक का मुख्य उद्देश्य मरीजों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और चिकित्सा स्टाफ को उनकी जिम्मेदारियों का एहसास दिलाना है।

पृष्ठ एक के शेष....

15वें उपराष्ट्रपति बने...
इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार पूर्व जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के अंतर से हराकर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जीत था। 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद 9 सितंबर को नए उपराष्ट्रपति के लिए चुनाव हुआ था।

53 दिन बाद ...
तक वे सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह गायब रहे, जिससे राजनीतिक हलकों और सोशल मीडिया पर काफी अटकलें और विवाद फैले. स्वास्थ्य कारणों का हवाला देने के बावजूद उनकी अनुपस्थिति को लेकर विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधा, जबकि सरकार ने इसे निजी मामला बताया।

सीईओ के आदेश से ...
तक के सैद्धांतिक स्वीकृति वाले वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 तक के सभी कार्यो की सूची एक सप्ताह के अंदर प्रस्तुत करने के आदेश संबंधित अधिकारियों को दिए है। इस आदेश के बाद प्राधिकरण के सभी विभागों में हड़कंप मच गया है। सीईओ ने इन दोनों आदेशों को तत्काल प्रभाव से लागू करने के लिए लिखित ऑर्डर जारी किया है।

सीईओ लोकेश एम ने बताया कि अक्सर देखा गया है कि 1 से 5 लाख के कार्यो को आकस्मिक या आपतकालीन परिस्थितियों में दिखाते हुए बिना ई टेंडर प्रक्रिया या कोटेशन के माध्यम से कार्यो को करवाकर उनका भुगतान किया जा रहा है। यही नहीं शीर्ष अधिकारियों को उसकी पत्रावली तक नहीं दिखाई जा रही। जिससे वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। ऐसे में अधिकारियों की ओर से अपने अधिकारों का दुरपयोग स्पष्ट दिखाई पड़ रहा है। ऐसे में सभी कार्यो पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।

कमोवश यही स्थिति दो करोड़ के कार्यो के लिए भी है। एसीईओ स्तर से सैद्धांतिक स्वीकृति के बाद टेंडर प्रकिया की जा रही है। ऐसे में सड़क निर्माण , अनुरक्षण और अन्य महत्वपूर्ण कार्यो की टेंडर प्रक्रिया करने से पहले मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अनुमति लेनी होगी। जिसके बाद टेंडर जारी किए जा सकेंगे।

प्राधिकरण सीईओ ने दोनों आदेशों में 2023-24 और 2024-25 के सभी 1 से 5 लाख और सैद्धांतिक स्वीकृति के आधार पर 2 करोड़ की सीमा में कराए गए कार्यो का ब्यौरा मांगा है। ये ब्यौरा संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह में देना होगा। जिनके पत्रावलियों की जांच की जाएगी। जिसके बाद भी इस प्रकार के कार्यो की रोक हट सकती है। हालांकि जब तक कार्यो का ब्यौरा स्पष्ट नहीं होता तब तक रोक रहेगी।

किसानों का थाना...
प्रदर्शन किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिले में किसानों की अनदेखी की हो रही है। किसानो की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जाता है। उन्होंने कहा कि एक हफ्ता पहले पीड़ित द्वारा की गई शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित थाने के चक्कर काटता रहा लेकिन कार्रवाई के बजाय हर बार उसे आश्वासन ही मिला। उन्होंने कहा इस संबंध में जब भाकियू नेताओं ने पुलिस प्रशाशन से बात की तो उसे भी अनसुना कर दिया गया। उन्होंने कहा कि किसानों का उत्पीड़न कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस मौके पर परविंदर अवाना, मनोज मावी, श्रीपाल कसाना, रविंद्र भगत, संजय फौजी, सिंह राज गुर्जर, दीपक भाटी, मनोज त्यागी, गजेंद्र रेक्सवाल, रामवीर हवलदार, सचिन अवाना, सुंदर तंवर, रविंद्र चौहान, जगत अवाना, अरुण गुर्जर, सुमित चौहान आदि मौजूद थे।

दिल्ली हाईकोर्ट को...
गईं और परिसर की बारी-बारी तलाशी चल रही है। पुलिस ने आसपास के इलाकों को भी सील कर सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

गाजियाबाद की पॉश...
गाजियाबाद के थाना विजयनगर क्षेत्र में साइबर फ्रॉड के लिए म्यूल अकाउंट कमीशन पर उपलब्ध कराने वाले एक बड़े गैंग का खुलासा किया गया है इनके पास से सौ से अधिक अकाउंट्स की डिटेल्स मिली है जिन पर बहुत सारी साइबर फ्रॉड की कम्पलाइंट हो चुकी है। इन म्यूल अकाउब्ट्स को उपलब्ध करने में बिहार के बंधन बैंक और एचडीएफसी बैंक के कुछ कर्मचारियों की भी मिली भगत प्रकाश में आई है। इसके अलावा ये गैंग बड़े नोट्स के बदले ज़्यादा अमाउंट में छोटे नोट्स देने का लालच देकर उनको रद्दी देकर ठगी का एक बड़ा गैंग चला रहे थे जिसके शिकार पूरे भारत के लोग हो रहे थे। इनके पास से 25.6 लाख कैश, नोट गिनने की मशीन, कूट रचित आधार और अन्य दस्तावेज बरामद हुए है।

यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने सूचना के आधार पर गौर सिद्धार्थम सोसायटी के एक फ्लैट में छापा मारा और यहां से फ्रॉड करने वाले गैंग के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया। यह फ्लैट गिरोह के सदस्य पंकज कुमार ने किराये पर लिया था जिसमें नीरज कुमार मिश्रा एवं पंकज कुमार के आधारकार्ड लगे हैं। एसटीएफ ने गैंग के सरगना शुभम राज उर्फ बाबा पुत्र हरेन्द्र कुमार निवासी वार्ड न0-10, राहर दियारा, थाना व पोस्ट सोनपुर, जिला छपरा बिहार, प्रदीप कुमार पुत्र रामेश्वर प्रसाद निवासी गैलेक्सी अपार्टमेन्ट, फ्लैट-503, खेमनी चरन, कंकडबाग, पटना बिहार मूल पता ग्राम सेरिया थाना बसन्तपुर जिला सिवान बिहार, धीरज मिश्रा पुत्र हरेन्द्र मिश्रा निवासी गणेश अपार्टमेन्ट, लेखा नगर पोस्ट दानापुर कैन्ट, पटना बिहार मूल पता हनुमान नगर अनाईठ आरा, जिला भोजपुर बिहार, सोनू कुमार पुत्र बच्चा शर्मा निवासी ग्राम चक अपसैड, पोस्ट परमानन्दपुर, थाना सोनपुर जिला सारण बिहार, अमरजीत कुमार पुत्र मंटू पंडित निवासी पहाडी चक, थाना सोनपुर जिला सारण बिहार, अनुराग पुत्र धर्मेन्द्र सिंह निवासी रानोरहम अलीपुर, पोस्ट व थाना शिकारपुर जिला बुलन्दशहर गिरफ्तार किया है। इनके पास से कई बैंक एकाउंट नंबर, मोबाइल फोन, नोट गिनने की मशीन तथा एक लाल रंग की डायरी भी मिली है जिनमें कई लोगों के नाम व कोड अंकित हैं।

सड़क हादसे...
को जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां इलाज के दौरान टीटू की मौत हो गई। राजकुमार की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वहीं थाना ईकोटेक-1 में बीते दिनों हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मूल रूप से जनपद मथुरा निवासी मोनू ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 24 अगस्त को उनका भाई प्रमोद अपने रिश्तेदार राजेश की बाइक से एक्सप्रेसवे से परी चौक की तरफ जा रहा था। राजेश तेज गति में बाइक को चला रहा था। रात्रि के समय सड़क किनारे खड़े एक व्यक्ति से उनकी बाइक टकरा गई। इस हादसे में तीनों लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रमोद की गंभीर हालत को देखते हुए उसे दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान 25 अगस्त को उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई मोनू ने बाइक चला रहे राजेश के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

2029 के पूर्व एनएमआरसी...
में डॉ. लोकेश एम ने बताया कि डीएमआरसी तथा एनएमआरसी के यात्री पास तथा कार्डों को भी एक समान करने की योजना पर कार्य चल रहा है। एक ही कार्ड तथा पास पर दोनों ही मेट्रो की सेवाओं का लाभ लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा अन्य योजनाओं पर कार्य चल रहा है।

मकान से चार...
पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी। फुटेज में एक व्यक्ति उनके कमरे से मोबाइल फोन चोरी कर ले जाता हुआ दिखाई दिया। विवेक कुमार ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित ने इस मामले से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी थाना फेस 2 पुलिस को सौंपी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

होटल में शराबियों...
करने पर आपत्ति जताई तो युवक उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गाली गलौज करने लगे। गाली देने का विरोध करने पर युवकों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। इस घटना में उसके गले की सोने की चेन भी टूट कर गिर गई। मारपीट कर घायल करने के बाद आरोपी युवक अपनी कारों में सवार होकर मौके से फरार हो गए।

अंकित चौधरी ने इस संबंध में होशियापुर गांव निवासी विकास यादव, मोंटी यादव, विकल यादव, विकास यादव, सौरव यादव, राहुल यादव व दो अन्य अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मनचले ने हाथ...
कर उस पर बात करने का दबाव डालता है। प्रिया ने दर्ज कराई कराई रिपोर्ट में बताया कि 9 सितंबर की शाम को वह स्टेलर ग्रीन पार्क में टहलने के लिए गई थी। इस दौरान मुकुल भी वहां पहुंच गया और उसके साथ छेड़खानी करने लगा। उसने गलत नीयत से उसे हाथ पकड़ कर खींचा तो उसने शोर मचा दिया। शोर मचाने पर आरोपी वहां से भाग निकला। घर आकर उसने परिजनों को सारी बातें बताई। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

कंपनी में फिटर की मौत, साथी कर्मचारियों का हंगामा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सेक्टर-51 स्थित एक कंपनी में फिटर का काम करने वाले एक व्यक्ति की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के साथियों ने कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करने का प्रयास किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने कर्मचारियों को समझा-बुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

दुमका, झारखंड निवासी (41 वर्षीय) राजेश पुत्र गोपाल सेक्टर-51 स्थित एक कंपनी में फिटर का काम करता था। गुरुवार को राजेश की अचानक तबीयत खराब हो गई। इस पर उसके साथी ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया।

अस्पताल से मीमो मिलने पर थाना सेक्टर-24 पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के लिए राजेश का शव सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। राजेश की मौत की जानकारी मिलने पर उसके कुछ साथी अस्पताल पहुंचे और कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करने का प्रयास किया। मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कंपनी कर्मचारियों को समझा-बुझाकर शांत कराया। थाना प्रभारी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। मृतक के परिजनों को उसकी मौत की जानकारी दे दी गई है।

घर में घुसकर महिलाओं के साथ मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र के ग्राम दानापुर में दबंग पड़ोसी ने घर में घुसकर महिलाओं के साथ मारपीट की और बदतमीजी की। मारपीट में दो महिलाओं को चोटें आई हैं। ग्राम दानापुर निवासी ईश्वर सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 11 सितंबर को उनके दादा का श्राद्ध था। उनके पिता घर में पंडित जी से श्राद्ध के बारे में बात कर रहे थे। उनके पड़ोस में रहने वाले राजू, ललित, कल्याण, रेखा, प्रेमलता, सुनील आदि गली में सफाई कर रहे थे। गली में सफाई कर रहे ये सभी लोग अचानक उनके घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। इन लोगों ने लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में ईश्वर की पत्नी और भाभी के सिर में चोटें आई हैं। पीड़ित का कहना है कि उसके दबंग पड़ोसी आए दिन उनके साथ गाली-गलौज और झगड़ा करते रहते हैं। उन्होंने आरोपियों से अपने परिवार की जान का खतरा बताया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर राजू, ललित, कल्याण, रेखा और प्रेमलता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बेटे व ससुर ने जबरन खाली कराया मकान

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 में एक महिला ने अपने बेटे उसके ससुर व अन्य लोगों पर जबरन मकान खाली कराने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसके मकान में रखे सामान में तोड़फोड़ कर उसे जान से मारने की धमकी दी गई।

सेक्टर-23 बी ब्लॉक में रहने वाली शारदा देवी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि मकान को लेकर उसका मामला कोर्ट में विचाराधीन है। इसके बावजूद भी उसका बेटा व उसका ससुर उससे जबरन घर खाली करवाने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़िता के अनुसार वह और उसका पौत्र घर में अकेले थे। इस दौरान उनका बड़ा बेटे सुनील कुमार, उसके ससुर अवध प्रसाद ,रामबाबू, संजीव यादव ने उसके घर में घुसकर मकान पर कब्जा करने की नीयत से तोड़फोड़ की। उसके द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के मुताबिक उसने इस संबंध में थाना सेक्टर-24 सहित वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

उत्तर रेलवे
शुद्धिपत्र
संदर्भ : i) निविदा सूचना क्रमांक 29/2025-2026 दिनांक 07.07.2025
ii) निविदा संख्या 15255090 01.10.2025 को देय है।
1. उपरोक्त निविदा के संदर्भ में, नियत तिथि 10.09.2025 से बढ़ाकर 01.10.2025 कर दी गई है।
2. उपरोक्त निविदा के संदर्भ में ड्राइंग संलग्न है।
अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित हैं। शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया गया है।
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
2779/25

उत्तर प्रदेश तमिलनाडु से बहुत पीछे

महिला अधिकार को लेकर डीएमके ने अपने मुखपत्र में साधा निशाना

चेन्नई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में 1989 में महिलाओं को संपत्ति में समान अधिकार देने वाला कानून पारित किया गया था। इस कानून को यूपी में भी पारित करने के लिए सरकार की तरफ से विचार किया जा रहा है। हालांकि इस विचार पर अब डीएमके ने बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि विवाहित बेटियों को उनके पिता की कृषि भूमि में समान अधिकार देने के विचार पर विचार कर रहा है। जबकि तमिलनाडु ऐसा 35 साल पहले ही कर चुका है।

तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश की आलोचना करते हुए कहा कि वह अब विवाहित बेटियों को उनके पिता की कृषि भूमि में समान अधिकार देने के विचार पर विचार कर रहा है। डीएमके ने कहा कि 35 साल पहले ही तत्कालीन मुख्यमंत्री एम। करुणानिधि ने राज्य में हिंदू कानून में संशोधन करके महिलाओं को अधिकार दिए थे। डीएमके के आधिकारिक मुखपत्र 'मुरासोली' ने कहा कि उत्तर प्रदेश को "अब एहसास हुआ है" कि 35 साल पहले दिवंगत डीएमके संरक्षक करुणानिधि ने क्या किया था, उन्होंने 1989 में हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम (तमिलनाडु संशोधन) में संशोधन करके पारिवारिक संपत्तियों में महिलाओं को समान अधिकार दिए थे।

100 साल पहले किया था इस तरह के कानून का विचार

11 सितंबर, 2025 के अपने संपादकीय में, दैनिक ने पेरियार ई.वी। रामासामी की तरफ से लगभग 100 साल पहले महिलाओं के लिए ऐसे अधिकारों पर विचार करने का उल्लेख किया था। पेरियार ने 1929 में महिलाओं के लिए ऐसे अधिकारों की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था और सुधारवादी नेता ने इससे पहले ही इसके लिए अभियान शुरू कर दिया था। "चेन्नई प्रेसीडेंसी में गैर-ब्राह्मण युवकों के पहले सम्मेलन में 1927 में महिलाओं के लिए संपत्ति के अधिकार की मांग वाला एक प्रस्ताव पारित किया गया था। उस सम्मेलन में हिंदू परिवारों में लड़कियों के लिए भी लड़कों के समान समान संपत्ति अधिकारों की मांग की गई थी।" 1928 में पेरियार की अध्यक्षता में आयोजित एक सम्मेलन में, पारिवारिक संपत्तियों में महिलाओं के समान अधिकारों की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया था। 1929 के चेंगलपेट सम्मेलन में भी महिलाओं के समान अधिकारों की मांग वाले इसी तरह के प्रस्ताव पारित किए गए थे।

तमिलनाडु से बहुत पीछे यूपी-डीएमके

उत्तर प्रदेश कथित तौर पर विवाहित बेटियों को भी उनके पिता की संपत्ति में हिस्सा देने के लिए एक कानून बनाने वाला है और यह दर्शाता है कि राज्य किस हद तक "पिछड़ा हुआ" है, डीएमके अखबार ने दावा किया और एक तमिल अखबार की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 और कृषि भूमि के संबंध में उत्तराधिकार से संबंधित इसके प्रावधानों का हवाला दिया गया था। महिलाओं को लाभ पहुंचाने के लिए इसमें संशोधन की लंबे समय से चली आ रही मांग का हवाला दिया गया था।

यूपी सरकार को महिलाओं के लिए उनके अधिकार देना चाहिए

जस्टिस अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली बेंच की तरफ से 11 अगस्त, 2020 को दिए गए उस फैसले का हवाला देते हुए, जिसमें संपत्तियों में महिलाओं के अधिकारों को बरकरार रखा गया था, मुरासोली ने कहा कि हालांकि उत्तर प्रदेश की प्रगतिशील सोच देर से आई है, "हमें इसका स्वागत करना चाहिए", क्योंकि कम से कम अब तो ऐसा हुआ है। द्रमुक दैनिक ने कहा कि रूढ़िवादी तत्व महिलाओं को अधिकार देने का विरोध करेंगे। हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार को ऐसे विरोध को दूर करना चाहिए और महिलाओं को उनके अधिकार प्रदान करने चाहिए।

गार्ड की जेब से चाबी चुराई, ताला खोला

अस्पताल से पुलिसकर्मी रायफल लेकर भागा कैदी, चार निलंबित

छतरपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मप्र के छतरपुर जिला अस्पताल के कैदी वार्ड से एक आरोपी पुलिसकर्मियों को चकमा देकर राइफल लेकर फरार हो गया। घटना बुधवार रात करीब 2 बजे की बताई जा रही है। फरार आरोपी की पहचान रविन्द्र सिंह परिहार निवासी देरी गांव थाना ओरछा के रूप में हुई है, जो पहले भी पुलिस पर फायरिंग कर चुका है। जानकारी के अनुसार, आरोपी रविन्द्र अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती था। रात में उसने ड्यूटी पर तैनात गार्ड की जेब से चाबी निकाल ली। इसके बाद किसी से मोबाइल पर बात की और फोन को डस्टबिन में डाल दिया। आरोपी ने गेट खोलकर वार्ड से बाहर निकलते समय गेट में ताला जड़ दिया और पुलिसकर्मी की राइफल लेकर मौके से फरार हो गया। उस समय ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मी शराब के नशे में गहरी नींद सो रहे थे।

घटना की जानकारी मिलते ही एसपी अगम जैन, सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दांगी सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस ने अस्पताल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। रविन्द्र परिहार पहले भी जयपुर और देरी रोड पर पुलिस पर फायरिंग कर भाग चुका है। उसकी गिरफ्तारी पर तत्कालीन सागर आईजी ने 30 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। अब दोबारा फरार होने पर छतरपुर एसपी ने उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। वहीं, घटना में लापरवाही बरतने वाले चार पुलिसकर्मी राकेश अहिरवार, हरिश्चंद्र अहिरवार, पंकज तिवारी और शिवम शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं और आसपास के जिलों में अलर्ट जारी किया गया है।

राहुल गांधी की बैठक का बीजेपी विधायक ने किया बहिष्कार, खुद बताई असली वजह

रायबरेली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी 2 दिनों के रायबरेली दौरे पर हैं। हालांकि इस दौरे के दौरान उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि रायबरेली पहुंचने से पहले उनका विरोध किया गया। तो वहीं अब बिहार में पीएम मोदी की मांग के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी का भी विरोध देखने को मिला है। बीजेपी विधायक मनोज पांडेय ने राहुल की बैठक का बहिष्कार किया है। रायबरेली में राहुल गांधी की अध्यक्षता में चल रही दिशा बैठक का ऊंचाहार बीजेपी विधायक मनोज पाण्डेय ने बहिष्कार किया है। विधायक बीच बैठक में ही वहां से बाहर निकल आए।

इसके पीछे का भी उनकी तरफ से कारण बताया गया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के मंच से पीएम मोदी की मां को गाली दी गई थी। ये इसी बात का विरोध है। विधायक ने बैठक से बाहर निकलकर कहा कि किसी भी हालत में पीएम मोदी के खिलाफ अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी के विकास कार्यों को लेकर सवाल खड़े किए और पूछा कि इस कार्यकाल में क्या-क्या काम किए गए। बिहार में पिछले दिनों वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस के मंच से पीएम मोदी के खिलाफ एक युवक ने अभद्र टिप्पणी की थी। इसका विरोध देशभर में देखने को मिला। अब यही कारण है कि एक दिनों पहले विरोध और अब बीजेपी विधायक ने बैठक का विरोध किया है।

एक दिन पहले भी हुआ था विरोध प्रधानमंत्री को गाली देने के मामले को लेकर योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अपने समर्थकों के साथ राहुल के रास्ते में धरने पर बैठ गए थे। इसके साथ ही उन्होंने राहुल वापस जाओ के नारे लगाए थे। इसी विरोध प्रदर्शन के चलते राहुल का काफिला करीब 1 किलोमीटर पहले ही रोक दिया गया था। हालांकि बाद में आगे बढ़ सका।

दो बच्चों को कार सवार ने कुचला, एक बच्ची की मौत, दूसरा घायल

मुंबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई के लालबाग इलाके में देर रात एक दर्दनाक हिट एंड रन की घटना सामने आई। घाटकोपर निवासी संतोष नानू गुप्ता (37) ने तेज रफ्तार वाहन चलाते हुए सड़क किनारे सो रहे दो बच्चों को कुचल दिया। इस हादसे में दो साल की बच्ची मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका 11 साल का भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर वहां से भाग गया। कालाचौकी पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और पास के सीसीटीवी फुटेज की मदद से वाहन का पता लगाया। इसके बाद पुलिस ने संतोष गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि गुप्ता वाहन चला रहा था, जो अचानक अनियंत्रित होकर बच्चों से टकरा गया। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे जमानत मिल गई।

पूर्व बसपा विधायक को आजीवन कारावास

31 साल पहले दो सगे भाइयों की हत्या का मामला, भारी फोर्स तैनात

उरई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उरई में दो सगे भाइयों की हत्या में दोषी करार बसपा के पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान ने गुरुवार को आत्मसमर्पण किया। एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई के बाद न्यायाधीश भारतेंदु सिंह ने पूर्व विधायक को दोषी करार करते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सजा का एलान होते ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। उन्हें जेल ले जाया जाएगा।

वहीं, कोर्ट के बाहर भारी मात्रा में उनके समर्थक मौजूद हैं। इसलिए पुलिस भारी संख्या में तैनात कर दी गई है। बता दें कि चुर्खी थाना क्षेत्र के बिनौरा बैध गांव में 30 मई 1994 की दोपहर प्रधान के चुनाव की रंजिश व वर्चस्व को लेकर गांव के ही राजकुमार उर्फ राजा भइया और उनके सगे भाई जगदीश शरण की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस मामले में पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान को दोषी करार दिया। सजा सुनाने के लिए 11 सितंबर की तारीख तय की गई थी। दोषी करार होने के बाद से छोटे सिंह फरार था।

अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान ने लिखा है कि मेरे पूरे विधानसभा परिवार को मेरा प्रणाम। जैसा की सर्वविदित है कि किस प्रकार आपके इस सेवक को राजनैतिक षड्यंत्र में फंसाया जा रहा है।।। परंतु मुझे भारत की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है।।।। क्योंकि उक्त प्रकरण में मेरी किसी भी प्रकार की संलिप्तता नहीं थी।।। परंतु कुछ गणमान्य व्यक्तियों को मेरा क्षेत्र में रहना व सबके सुख-दुख में शामिल होना खल रहा था।।।। आज मेरे साथ पूरा जनपद परिवार खड़ा हुआ है।

बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ धोखाधड़ी करने वाले मुनव्वर खान को कुवैत से भारत लाई सीबीआई

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में वांछित मुनव्वर खान को वापस भारत ले आया गया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने भारी मक्कत के बाद उसे कुवैत से भारत प्रत्यर्पित करवाने में सफलता पाई। सीबीआई की ओर से जारी बयान के मुताबिक, एजेंसी ने इंटरपोल चैनलों के माध्यम से भगोड़े अपराधी मुनव्वर खान की कुवैत से वापसी का सफलतापूर्वक समन्वय किया है।

मुनव्वर खान जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई का वांछित अपराधी है। बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ धोखाधड़ी करने के बाद मुनव्वर खान, कुवैत भाग गया था। सीबीआई की अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई (आईपीसीयू) ने विदेश मंत्रालय और एनसीबी-कुवैत के सहयोग से 11 सितंबर को वांछित रेड नोटिस अपराधी मुनव्वर खान को सफलतापूर्वक भारत वापस लाया गया है। मुनव्वर खान को कुवैत पुलिस की एक टीम द्वारा कुवैत से हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचाया गया।

हवाई अड्डे पर सीबीआई, एसटीबी, चेन्नई की एक टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। इससे पहले सीबीआई द्वारा इंटरपोल के माध्यम से एनसीबी-कुवैत के साथ गहन अनुवर्तन के माध्यम से इस विषय को कुवैत में पाया गया था। बैंक को धोखा देने के तुरंत बाद आरोपी मुनव्वर खान कुवैत चला गया मुनव्वर खान, सीबीआई की ओर से एसटीबी, चेन्नई में दर्ज एफआईआर संख्या आरसी 3 (एस) /2011 में आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों में वांछित है।

मुनव्वर खान ने अन्य लोगों के साथ मिलकर बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ धोखाधड़ी की थी। बैंक को धोखा देने के तुरंत बाद, आरोपी मुनव्वर खान कुवैत चला गया और उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया।

नेपाल जैसा संकट भारत में भी

कांग्रेस नेता उदित राज के बयान पर बीजेपी भड़की

चंडीगढ़, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कांग्रेस नेता उदित राज को घेरा है। दरअसल उदित राज ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा था कि भारत में भी नेपाल जैसे हालात हैं, लेकिन हमारा संविधान ऐसा करने से रोकता है। उन्होंने कहा कि भारत में कांग्रेस की ओर से डाली गईं लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। इस पर केसवन ने कांग्रेस को लोकतंत्र और संविधान का हत्यारा बताया है। कांग्रेस का दलित चेहरा माने जाने वाले उदित राज ने यह टिप्पणी नेपाल में हाल के घटनाक्रम पर गुरुवार सुबह की। उन्होंने लिखा, "लोग चर्चा कर रहे हैं जिस तरह से नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में सत्ता को जनता ने उखाड़ फेका है क्या भारत में ऐसा नहीं हो सकता। कुछ लोग ऐसा होने की संभावना तक जता रहे हैं, वास्तव में परिस्थितियां वैसी ही हैं और कुछ मामलों में अधिक लेकिन हमारा संविधान ऐसा करने से रोकता है। हमारी लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं जिसे कांग्रेस ने डाला है।" उनकी इस पोस्ट पर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने एक्स पर लिखा, " कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के ये खतरनाक बयान स्पष्ट रूप से देश-विरोधी हैं और जानबूझकर अशांति भड़काने वाले हैं। कांग्रेस का नेतृत्व, चाहे वह पुराना हो या वर्तमान, हमेशा डॉ। बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान के लिए सबसे बड़ा खतरा रहा है।

1975 में कांग्रेस ने हमारे संविधान की हत्या की और लोकतंत्र का नरसंहार किया। ये बयान उसी आपातकाल की मानसिकता को दर्शाते हैं।" केसवन अप्रैल 2023 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे। वो देश के पहले गवर्नर जनरल सी राजगोपालचारी के पड़पोते हैं। इस्तीफा देते हुए केसवन ने कहा था कि कांग्रेस में अब उन मूल्यों के अवशेष भी नहीं बचें, जिन्होंने उन्हें दो दशक से अधिक समय तक पार्टी के लिए काम करने को प्रेरित किया। केसवन 2001 में कांग्रेस में शामिल हुए थे।

दरअसल नेपाल की युवा पीढ़ी बढ़ते भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और सोशल मीडिया साइटों पर पाबंदी के खिलाफ पिछले कुछ दिनों से आंदोलन कर रही है। इस दवाब के आगे झुकते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नौ सितंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके अलावा कई मंत्रियों और सांसदों ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। नेपाल के उग्र आंदोलनकारियों ने नेपाली संसद, सुप्रीम कोर्ट और तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों समेत राजधानी कांठमाडू की कई इमारतों में आग लगा दी थी। इन आंदोलनकारियों ने वहां बड़े पैमाने पर लूटपाट भी की थी।

इसके बाद नेपाल में संवैधानिक संकट पैदा हुआ है। फिलहाल सेना ने जिम्मेदारी अपने हाथ में ले ली है। नेपाल में सुप्रीम कोर्ट की पूर्व प्रमुख न्यायाधीश सुशील कार्की के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार की कोशिशें हो रही हैं।

फाउंडेशन सोसाइटी पर ईओडब्ल्यू की एफआईआर

इंदौर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। आर्थिक अनियमितताओं और करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़े के आरोप में भोपाल ईओडब्ल्यू ने इंदौर की एक फाउंडेशन सोसाइटी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इस सोसाइटी के खिलाफ पूर्व में लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू दोनों में शिकायतें दर्ज कराई गई थीं, जिनकी जांच के बाद अब एफआईआर दर्ज की गई है। ईओडब्ल्यू टीआई राजकुमार यादव के अनुसार, अनिल संघवी (निवासी विजयनगर, इंदौर) की शिकायत पर कार्रवाई की गई है। इसमें जय नारायण चौकसे, अनुपम चौकसे, धर्मेंद्र गुप्ता, श्वेता चौकसे, पूनम चौकसे, पूजा चौकसे, आशीष जायसवाल समेत अन्य के खिलाफ आर्थिक अपराध की धाराओं में बुधवार को एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता अनिल संघवी ने बताया कि आरोपी आस्था फाउंडेशन फॉर सोसाइटी के पदाधिकारी हैं। उन्होंने एक ट्रस्ट बनाकर फर्जीवाड़ा करते हुए आर्थिक लाभ लिया है। सोसाइटी का गठन शैक्षणिक गतिविधियों, अस्पताल और अन्य सामाजिक सेवाओं के संचालन के लिए किया गया था।

फिर से बम धमाके की मिली धमकी, पुलिस ने अलर्ट जारी कर बढ़ाई सुरक्षा

मुंबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में एक बार फिर बम धमाके की धमकी मिली है। जानकारी के अनुसार, आज सुबह हेल्पलाइन नंबर 112 पर एक अज्ञात व्यक्ति ने कॉल किया और कहा कि मुंबई के समुद्र क्षेत्र में बम फटा सकता है। कॉल मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस ने तुरंत सुरक्षा बढ़ा दी। शहर के विभिन्न हिस्सों में पेट्रोलिंग तेज कर दी गई है। समुद्र किनारे और प्रमुख समुद्री रास्तों पर सघन जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि वे किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए पूरी तैयारी में हैं। पुलिस का कहना है कि अज्ञात कॉलर की पहचान करना उनके लिए प्राथमिकता है। तकनीकी टीम और साइबर क्राइम शाखा के अधिकारी इस मामले में जुटे हैं। कॉल रिकॉर्ड, नंबर लोकेशन और अन्य सुरागों की मदद से अज्ञात व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। मुंबई पुलिस ने आम लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की है। कहा गया है कि अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति या पैकेज नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। साथ ही लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि की खबरों को साझा न करने को कहा गया है। हालांकि अभी तक धमाका नहीं हुआ है, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने सभी संभावित खतरनाक इलाकों की जांच तेज कर दी है। मुंबई पुलिस ने कहा कि शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और किसी भी आपात स्थिति के लिए टीम तैयार है। पुलिस लगातार चौकसी बनाए हुए है और सुरक्षा उपायों को लगातार अपडेट किया जा रहा है। समुद्र किनारे के इलाकों में निगरानी कैमरों की मदद से भी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

बिहार चुनाव के लिए लालू यादव से टिकट मांगने पटना पहुंचे नवादा के लोग

पटना, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र महागठबंधन में टिकट बंटवारे को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इस बीच पटना में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मिलने नवादा जिले के कई लोग पहुंचे। ये सभी लोग हिसुआ विधानसभा से अपने पसंदीदा उम्मीदवार को टिकट देने की मांग कर रहे थे। इस मुलाकात का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, राजनीतिक दलों में टिकट को लेकर खींचतान तेज हो गई है।

महागठबंधन में भी उम्मीदवार तय करने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। आरजेडी के प्रमुख लालू यादव के पास हाल के दिनों में विभिन्न जिलों से कई प्रतिनिधिमंडल टिकट की मांग लेकर पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में नवादा जिले के हिसुआ विधानसभा क्षेत्र से आए लोग भी टिकट के लिए लालू यादव से मिले। नवादा से आए लोगों में से एक ने लालू यादव को 'दादा' कहकर संबोधित किया और हिसुआ विधानसभा सीट से उदय यादव को टिकट देने की गुहार लगाई। इस दौरान सभी लोग एक सुर में अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में नारे लगाते दिखे। चुनावी मौसम में नेताओं तक सीधे पहुंचकर टिकट मांगना जनता के राजनीतिक जुड़ाव को भी दर्शाता है। यह घटना इस बात की भी पुष्टि करती है कि बिहार में चुनाव केवल पार्टी और उम्मीदवार तक सीमित नहीं, बल्कि जनता की सक्रिय भागीदारी भी अहम होती है।

लालू यादव से मुलाकात के दौरान बने इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। वीडियो वायरल होते ही इस पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है और लोग इसे आगामी विधानसभा चुनाव के समीकरणों से जोड़कर देख रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे वीडियो चुनावी माहौल को और गरमाते हैं तथा टिकट बंटवारे पर दबाव बनाने का साधन बन जाते हैं। बिहार के मौजूदा राजनीतिक माहौल में यह मामला आरजेडी और महागठबंधन के लिए रणनीतिक चुनौती के रूप में उभर सकता है।

बरसात से दुश्वारियां जारी

शिमला, 12 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में बरसात से दुश्वारियां लगातार जारी हैं। जगह-जगह भूस्खलन से राज्य में गुरुवार सुबह 10:00 बजे तक तीन नेशनल हाईवे सहित 577 सड़कें बंद रहीं। 812 बिजली ट्रांसफार्मर व 369 जल आपूर्ति योजनाएं भी बाधित हैं। कुल्लू जिले में सबसे अधिक 211, मंडी 154, शिमला 72, कांगड़ा 42, चंबा 30 व सिरमौर में 29 सड़कें बंद हैं। शिमला सहित कई अन्य भागों में रात से रुक-रुककर बारिश जारी है। प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। भारी बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन से हर साल तबाही हो रही है।

पहाड़ों पर पिछले 30 वर्षों में अत्याधिक बारिश की घटनाओं में 200 फीसदी तक बढ़ोतरी हो गई है। इस मानसून सीजन के दौरान अभी तक कुल 4,30,676.05 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। इस मानसून सीजन में 20 जून से 10 सितंबर तक 380 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। 439 लोग घायल हुए हैं।

फ्लाईओवर विवाद में एचसी में रिपोर्ट पेश

90 नहीं बल्कि 119 डिग्री का निकला ब्रिज, अगली सुनवाई 17 सितंबर

जबलपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। हाईकोर्ट में भोपाल के ऐशबाग क्षेत्र स्थित फ्लाईओवर ब्रिज को लेकर महत्वपूर्ण रिपोर्ट पेश की गई। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) के प्रोफेसर ने जांच रिपोर्ट दाखिल की। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ब्रिज का मोड़ 90 डिग्री नहीं, बल्कि 118 से 119 डिग्री के बीच है। याचिकाकर्ता मेसर्स पुनीत चड्ढा की ओर से दायर याचिका में आरोप लगाया गया था कि उनकी कंपनी को बिना सुनवाई का अवसर दिए सरकार ने ब्लैकलिस्ट कर दिया। याचिका में कहा गया कि फ्लाईओवर निर्माण का ठेका 2021-22 में कंपनी को मिला था और कार्य सरकारी एजेंसी द्वारा जारी जीएडी (जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग) के आधार पर किया गया। बाद में 2023 और 2024 में जीएडी में संशोधन भी किया गया। गौरतलब है कि ब्रिज में 90 डिग्री का मोड़ होने की खबरें सामने आने के बाद सरकार ने पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की थी।

समिति ने पाया कि मोड़ वाले हिस्से के नीचे से रेलवे ट्रैक गुजरता है और राज्य सरकार तथा रेलवे विभाग के बीच समन्वय की कमी रही। साथ ही, ब्रिज के खंभे भी निर्धारित दूरी पर नहीं लगाए गए थे। हाईकोर्ट ने प्रोफेसर को ब्रिज की तकनीकी जांच का जिम्मा सौंपा था और इसके लिए याचिकाकर्ता को एक लाख रुपये फीस देने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि याचिकाकर्ता का दावा सही पाया जाता है तो वह फीस की राशि वसूलने का हकदार होगा। साथ ही, फिलहाल कंपनी के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की जाएगी।

सेल्फी विवाद मामले में पृथ्वी शॉ पर कोर्ट ने लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। मुंबई की डिंडोशी कोर्ट ने उन पर नोटिस का जवाब दाखिल न करने पर 100 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह मामला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल की याचिका से जुड़ा है। कोर्ट ने शॉ को जवाब दाखिल करने का अंतिम मौका दिया था, लेकिन उन्होंने आदेश का पालन नहीं किया, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।मामले की जड़ फरवरी 2023 की है, जब मुंबई के अंधेरी स्थित एक पब में पृथ्वी शॉ और सपना गिल के बीच सेल्फी लेने को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि बहस इतनी बढ़ गई कि शॉ और उनके दोस्त आशीष यादव ने गिल पर बल्ले से हमला किया। इसके बाद गिल और कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था, हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई। जमानत मिलने के बाद सपना गिल ने शॉ और उनके दोस्त के खिलाफ अंधेरी एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपनी याचिका में भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (छेड़छाड़), धारा 509 (महिला की गरिमा का अपमान) और धारा 324 (खतरनाक हथियार से चोट पहुंचाना) के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की।पुलिस ने इस मामले में शॉ के खिलाफ केस दर्ज नहीं किया था। इसके चलते गिल ने सीधे मजिस्ट्रेट कोर्ट का रुख किया। गिल का आरोप है कि सेल्फी को लेकर हुए विवाद के बाद शॉ और उनके साथी ने न केवल मारपीट की बल्कि महिला का अपमान भी किया। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसने विवाद को और हवा दी।

2.6 करोड़ की इनाम राशि से 8 गुना ज्यादा कीमती घड़ी पहने प्रैक्टिस कर रहे हार्दिक

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने एशिया कप 2025 से पहले चर्चा में बने हुए है। ट्रेनिंग सेशन के दौरान नए हेयरस्टाइल और उनकी घड़ी की वजह से खूब सुर्खियां बढ़ोर रहे है। एशिया कप 2025 से पहले हार्दिक पांड्या ने अपने बालों को ग्रे शेड में कराया है। हार्दिक को प्रैक्टिस सेशन के दौरान रिचर्ड मिल आरए 27-04 घड़ी पहने दिखाई दिए। इस घड़ी का वजन 30 ग्राम के करीब है। जिसकी कीमत 20 करोड़ रुपये के करीब हैं, जो एशिया कप की प्राइज मनी से करीब 8 गुना ज्यादा है। ये घड़ी खासतौर पर टेनिस लीजेंड राफेल नाडल के लिए बनाई जाती हैं, इसलिए घड़ी को राफेल नडाल एडिशन भी कहते हैं। एशिया कप जीतने वाली टीम को करीब 2.6 करोड़ रुपये की इनाम राशि मिलेगी। एशिया कप 2025 का आगाज 9 सितंबर से अबूधाबी में हो चुका है। जहां अफगानिस्तान ने अबू धाबी के शेख जायेद स्टेडियम में हांगकांग को 94 रनों से हरा दिया। टूर्नामेंट के दूसरे मुकाबले में 10 सितंबर को भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज करेगी जिसमें दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में उनका सामना यूएई से होगा। गौर है कि भारत का एशिया कप 2025 में पहला मैच 10 सितंबर को दुबई में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ होगा जिसके बाद 14 सितंबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के साथ बहुप्रतीक्षित मुकाबला होगा। वहीं अबू धाबी में ओमान के खिलाफ 19 सितंबर को भारत अपने ग्रुप चरण का आखिरी मैच खेलेगा। आठ बार एशिया कप की ट्रॉफी जीतकर भारत टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीम है।

अब पाक के खिलाफ अगला मैच नहीं खेलेंगे कुलदीप, संजय मांजरेकर का चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट पर निशाना

दुबई

संजय मांजरेकर ने कुलदीप के शानदार प्रदर्शन की सराहना की, लेकिन साथ ही मजाक में टीम इंडिया के रवैये पर सवाल भी उठाए। उन्होंने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट पर चुटकी ली। एशिया कप 2025 के अपने पहले मैच में भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को एकतरफा अंदाज में हराया। इस जीत में टीम इंडिया के चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव ने अहम भूमिका निभाई। कुलदीप ने अपने चमत्कारी स्पेल में मात्र 2.1 ओवरों में सात रन देकर चार विकेट चटकाए। खास बात यह रही कि उन्होंने एक ही ओवर में तीन विकेट झटके और यूएई की बल्लेबाजी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। मैच के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने कुलदीप के शानदार प्रदर्शन की तारीफ की, लेकिन साथ ही मजाक-मजाक में टीम इंडिया के रवैये पर सवाल भी उठाए। उन्होंने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट पर चुटकी ली और कहा कि अब कुलदीप इतने अछे मैच के बाद अगले मैच में बेंच पर बैठेंगे।

मजाक में छुपी गंभीर बात

मांजरेकर ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा, अब जब कुलदीप यादव ने एक ओवर में तीन विकेट ले लिए हैं, तो वह अगला मैच नहीं खेलेंगे, क्योंकि भारत उनके साथ ऐसा ही बर्ताव करता है। जब वह अछा खेलते हैं तो उन्हें बाहर कर दिया जाता है। अब चार विकेट लिए हैं, तो कोई तरीका नहीं है कि वह अगला मैच खेलें। मांजरेकर ने यह टिप्पणी हल्के अंदाज में की, लेकिन इसके पीछे टीम इंडिया के चयन प्रक्रिया पर गहरी चोट थी।उन्होंने कहा, मैं मजाक कर रहा हूं, लेकिन यही कुलदीप यादव का करियर रहा है। बीच-बीच में बाहर किए जाने के बावजूद वह कुछ जादू दिखाते रहते हैं। उनके आंकड़ों को देखिए, चाहे टेस्ट हो, वनडे हो या टी20 अंतरराष्ट्रीय, वे गजब के हैं। लेकिन फिर भी वह भारतीय टीम में डिस्पेंसबल यानी आसानी से बाहर किए जाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। यही उनकी किस्मत है।

कुलदीप के आंकड़े गवाह

कुलदीप यादव ने साल 2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसके बावजूद आज तक उन्होंने केवल 13 टेस्ट और 41 टी20 मैच खेले हैं। वनडे में उनका गेंदबाजी औसत 27 से भी कम है। टेस्ट में उनका गेंदबाजी औसत 22.16 और टी20आई में तो केवल 13.39 का है। इन आंकड़ों से साफ है कि जब भी उन्हें मौका मिला, उन्होंने टीम के लिए योगदान दिया। हालांकि, उन पर टीम मैनेजमेंट भरोसा नहीं जता पाया है और यही वजह है कि उन्हें बेंच पर बैठाया जाता है। इंग्लैंड दौरे पर दिग्गजों की मांग के बावजूद कुलदीप को खेलने का मौका नहीं मिला और अब एशिया कप में उन्होंने भारत के पहले मैच में ही कमाल दिखाया। मांजरेकर का तंज चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट पर था।

कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच करियर

भारतीय टीम में लंबे समय से स्पिन विभाग में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा रही है। कुलदीप को अपने करियर के दौरान रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई जैसे स्पिनरों से जगह के लिए मुकाबला करना पड़ा है। ऐसे में अक्सर उन्हें लंबे समय तक बेंच पर बैठना पड़ा है।

बुधवार को दुबई में खेले गए मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पावरप्ले के बाद कुलदीप को गेंद सौंपी गई और उन्होंने आते ही मैच का रुख बदल दिया। उनके नौवें ओवर में ही यूएई का स्कोर 48/2 से अचानक 50/5 पर पहुंच गया। इसके बाद टीम बुरी तरह बिखर गई और महज 57 रन पर ऑलआउट हो गई। यह एशिया कप टी20 इतिहास में यूएई का सबसे कम स्कोर साबित हुआ और ओवरऑल यह टूर्नामेंट का दूसरा सबसे छोटा स्कोर।

भारत की आसान जीत

कुलदीप की गेंदबाजी की बदौलत मिले आसान लक्ष्य को भारत ने 4.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। यह टीम इंडिया की गेंदों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत साबित हुई। इस धमाकेदार प्रदर्शन के लिए कुलदीप यादव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत की एशिया कप टी20 में गेंदों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत

दुबई।

सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम ने एशिया कप में धमाकेदार आगाज किया है। भारत ने यूएई को नौ विकेट से रौंदकर टूर्नामेंट में अपने अभियान की विजयी शुरुआत की है। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया जिसके आगे यूएई के बल्लेबाज एक पल भी चुनौती पेश नहीं कर सके। यूएई की टीम 13.1 ओवर में सिर्फ 57 रन बना पाई जिसके जवाब में भारतीय टीम ने 4.3 ओवर यानी महज 27 गेंदों में एक विकेट पर 60 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत के लिए अभिषेक शर्मा ने 16 गेंदों में 30 रन बनाए। वहीं, शुभमन गिल (20) और सूर्यकुमार यादव (7) नाबाद रहे। यूएई के लिए जुनैद सिद्दीकी ने एक विकेट झटका।यूएई की टीम भारत के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य नहीं रख सकी और कम स्कोर का पीछा करते हुए भारत ने आक्रामक शुरुआत की। भारत के लिए अभिषेक शर्मा के साथ शुभमन गिल पारी का आगाज करने उतरे। अभिषेक ने पारी की पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिए। अभिषेक चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली गेंद पर छक्का लगाया है। अभिषेक से पहले रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन ऐसा कर चुके हैं। अभिषेक यहीं नहीं रुके और उन्होंने तेज खेलना जारी रखा, लेकिन टीम को जीत दिलाने से पहले ही अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद गिल और सूर्यकुमार ने भारत को पावरप्ले में ही जीत दिला दी। भारत ने इस तरह एशिया कप टी20 में गेंदों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत दर्ज कर ली है। उसने इस मामले में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। टीम ने इससे पहले 2016 में यूएई के खिलाफ 59 गेंदें शेष रहते जीत दर्ज की थी, लेकिन टीम ने अब 93 गेंदें शेष रहते जीत हासिल कर ली। भारत और यूएई के बीच एशिया कप के ग्रुप ए का मुकाबला महज 106 गेंदों पर ही समाप्त हो गया। यूएई की पारी 79 गेंदों पर सिमट गई।

एसए20 नीलामी : ब्रेविस 8.3 करोड़ में बिके, आईपीएल से कई गुना ज्यादा लगी बोली

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस अब बेबी एबी नहीं रहे। वे अंतरराष्ट्रीय और फ्रैंचाइजी क्रिकेट में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। एबी का जलवा अब भी बरकरार है, लेकिन अब ब्रेविस को यकीन है जिसने उन्हें क्षमता का एहसास कराया, वे भी उनकी तरह जलवा बिखेर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर ब्रेविस पर मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका टी20 की नीलामी में रिकॉर्ड तोड़ बोली लगी। ब्रेविस के लिए प्रिटोरिया कैपिटल्स में सौरव गांगुली और जोसबर्ग सुपर किंग्स में स्टीफन फ्लेमिंग जैसे चिर परिचित प्रतिद्वंदी नीलामी के मैदान में थे। आखिर में सुपर किंग्स को अपने इस अद्भुत खिलाड़ी को छोड़ना पड़ा क्योंकि ब्रेविस को 15.1 मिलियन रैंड यानी 8.3 करोड़ रुपए में खरीदा गया। जो आईपीएल 2025 में उनके रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में उनकी कीमत से करीब चार गुना ज्यादा है।एसए20 नीलामी में बड़ी खरीदारी में दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के टी20 कप्तान हैं। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ दो बार दक्षिण अफ्रीका 20 लीग जीतने वाले मार्करम की सेवाएं डरबन सुपर जायंट्स ने 14 मिलियन रैंड यानी 7.04 करोड़ रुपए में हासिल कीं। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट तिहरे शतकवीर वियान मुल्डर को सुपर किंग्स ने 9 मिलियन रैंड यानी 4.53 करोड़ रुपए में खरीदा। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर गेराल्ड कोएत्जी सुपर जायंट्स के लिए 7.4 मिलियन रैंड यानी 3.72 करोड़ रुपए में खेलेंगे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नंद्रे बर्गर को सुपर किंग्स ने 6.3 मिलियन रैंड यानी 3.17 करोड़ रुपए में खरीदने से पहले बोली लगाने की एक छोटी सी होड़ शुरू कर दी। विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके जिन्होंने हाल ही में वनडे रिकॉर्ड तोड़े हैं उन्हें सनराइजर्स ने 6.1 मिलियन रैंड यानी 3.07 करोड़ रुपए में खरीदा।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित

नई दिल्ली ।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन को सौंपी गई है, जो अपना पांचवां वनडे विश्व कप खेलने उतरेंगी। उनके साथ सूजी बेट्स भी पांचवें वर्ल्ड कप में नजर आएंगी। तेज गेंदबाज ली ताहुहू को चौथे, जबकि मैडी ग्रीन और मेली केर को तीसरे विश्व कप में शामिल किया गया है। इस बार न्यूजीलैंड के दल में कई नए चेहरे देखने को मिलेंगे, जिन पर भविष्य की उम्मीदें टिकी हैं। न्यूजीलैंड ने अपने खेमे में छह ऐसी खिलाड़ियों को जगह दी है, जो पहली बार वनडे वर्ल्ड कप का हिस्सा बनेंगी। इनमें 22 वर्षीय ऑलराउंडर फ्लोरा डेवोनशायर का नाम खास है, जिन्हें घरेलू क्रिकेट में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद मौका मिला है। इसके अलावा चार खिलाड़ी ऐसी होंगी, जो पहली बार किसी सीनियर आईसीसी टूर्नामेंट में उतरेंगी। टीम के चयन से यह साफ है कि न्यूजीलैंड एक नई और संतुलित टीम बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। न्यूजीलैंड महिला टीम अपने अभियान की शुरुआत 1 अक्टूबर को इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद उसका सामना 6 अक्टूबर को साउथ अफ्रीका से और 10 अक्टूबर को बांग्लादेश से होगा। 14 अक्टूबर को टीम श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी, जबकि 18 अक्टूबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड की टीम भारतीय टीम को चुनौती देगी और 26 अक्टूबर को उसका सामना इंग्लैंड से होगा। टूर्नामेंट का आगाज 30 सितंबर से हो रहा है और सभी टीमें खिताब जीतने के लिए पूरा जोर लगाएंगी।कोच बेन सॉयर ने टीम चयन पर संतोष जताते हुए कहा कि न्यूजीलैंड का संयोजन पूरी तरह संतुलित है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमारे पास परिस्थितियों और विरोधियों के अनुसार सही मिश्रण है, जिससे हम किसी भी चुनौती का मुकाबला कर सकते हैं।

भारत की प्लेइंग 11 में संजू सैमसन की मौजूदगी से खुश हुए प्रशंसक, कोच गंभीर की तारीफ में पढ़े कसीदे

दुबई

भारतीय उपकप्तान शुभमन गिल की लंबे समय बाद टी20 टीम में वापसी हुई और संभवतः वह शीर्ष क्रम में ही जिम्मेदारी संभालेंगे। विकेटकीपर के स्थान को लेकर काफी चर्चा थी और जिस तरह अभ्यास सत्र में जितेश लगातार बल्लेबाजी अभ्यास कर रहे थे उससे लग रहा था कि टीम प्रबंधन सैमसन की जगह जितेश को मौका देगी। लेकिन सैमसन को उनके अनुभव के कारण जितेश पर तरजीह मिली है। एशिया कप 2025 का रोमांच शुरू हो चुका है। आज भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मौजूदा टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है जबकि यह दोनों टीमों का पहला मैच है। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले के लिए भारत की प्लेइंग 11 में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को शामिल किया गया है। उन्हें जितेश शर्मा पर तरजीह मिली है, जिसने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। भारत ने यूएई के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के दौरान कहा, हम पहले गेंदबाजी करेंगे। विकेट अच्छा और ताजा लग रहा है। आज भी नमी है बाद में ओस पड़ सकती है। अगर हमें मौका मिले तो हम कुछ भी करने को तैयार हैं, लेकिन आज हम गेंदबाजी करना चाहते हैं। हम यहां जल्दी आ गए, 3-4 अच्छे अभ्यास सत्र किए और एक दिन की छुट्टी भी ली जो हमारे लिए अच्छा है।

भारतीय उपकप्तान शुभमन गिल की लंबे समय बाद टी20 टीम में वापसी हुई और संभवतः वह शीर्ष क्रम में ही जिम्मेदारी संभालेंगे। विकेटकीपर के स्थान को लेकर काफी चर्चा थी और जिस तरह अभ्यास सत्र में जितेश लगातार बल्लेबाजी अभ्यास कर रहे थे उससे लग रहा था कि टीम प्रबंधन सैमसन की जगह जितेश को मौका देगी। लेकिन सैमसन को उनके अनुभव के कारण जितेश पर तरजीह मिली है। गिल की अनुपस्थिति में सैमसन पारी का आगाज कर रहे थे और उन्होंने पिछले कुछ समय में टी20 अंतरराष्ट्रीय में अच्छा प्रदर्शन किया है। सैमसन को प्लेइंग 11 में शामिल करने के फैसले ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया है। वे मुख्य कोच गौतम गंभीर की तारीफों के पुल बांध रहे हैं।

भारतः अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह।

जीत के साथ अभियान शुरू करना चाहेगी बांग्लादेश, हांगकांग की नजरें वापसी पर होंगी

अबु धाबी।

बांग्लादेश की टीम अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ करना चाहेगी। हांगकांग की टीम का प्रदर्शन अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छा नहीं रहा था और उसका बल्लेबाजी विभाग काफी कमजोर नजर आया था। बांग्लादेश का एशिया कप में पहला मुकाबला गुरुवार को हांगकांग के खिलाफ होगा। हांगकांग को पहले मैच में अफगानिस्तान से 94 रनों की बड़ी हार का सामना करना पड़ा था और उसकी नजरें वापसी करने पर टिकी होंगी। दूसरी ओर, बांग्लादेश की टीम अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ करना चाहेगी। लिटन दास टीम के कप्तान होंगे जिनका यह पांचवां एशिया कप है लेकिन पहली बार पूर्णकालिक कप्तान के तौर पर खेलेंगे। विकेटकीपर और बल्लेबाज के तौर पर उनकी मौजूदगी टीम को स्थिरता देती है। हांगकांग की टीम का प्रदर्शन अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छा नहीं रहा था और उसका बल्लेबाजी विभाग काफी कमजोर नजर आया था। हांगकांग की टीम 100 रन भी पूरे नहीं कर सकी थी। गेंदबाजों ने शुरुआत में कुछ दबाव बनाया, लेकिन बाद में वे भी अपनी लय गड़बड़ा गए। बांग्लादेश की टीम 2012, 2016 और 2018 में फाइनल में पहुंची लेकिन हर बार भारत और श्रीलंका जैसे दिग्गजों के खिलाफ उसे पराजय का सामना करना पड़ा।

बांग्लादेश के पास भी अच्छे खिलाड़ी

बांग्लादेश टीम में नुरूल हसन भी तीन साल बाद टीम में लौटे हैं जिससे बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के विकल्प बढ़े हैं। तौहीद हृर्दय मध्यक्रम को आक्रामकता देते हैं, जबकि मुस्ताफिजुर रहमान के पास डेथ ओवरों में विविधता है। नई गेंद संभालने वाले तंजीम हसन साकिब का फॉर्म अतिरिक्त बोनस है। बांग्लादेश ने पिछली तीन सीरीज में श्रीलंका, पाकिस्तान और नीदरलैंड को हराया है।

दोनों टीमें इस प्रकार है

बांग्लादेशः लिटन दास (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृर्दय, जाकिर अली, शमीम हुसैन, नुरूल हसन, मेहदी हसन, रिषाद हुसैन, नासुम अहमद, मुस्ताफिजूर रहमान, तंजीम हसन, तसकीन अहमद, शरीफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन।

हांगकांगः यासिम मुर्तजा (कप्तान), बाबर हयात, जीशान अली, निजाकत खान मोहम्मद, नसरूल्ला राणा, मार्टिन कोएत्जी, अंशुमान रथ, कल्हान मार्क चाल्लू, आयुष शुक्ला, मोहम्मद ऐजाज खान।

तेंदुलकर, विराट और युवराज के एलिट क्लब में शामिल हुए शुभमन गिल

नई दिल्ली।

शुभमन गिल टेस्ट कप्तान बनने के बाद बल्लेबाजी जैसे और निखर गई। उसके बाद उनकी टी20 टीम में भी वापसी हुई और वो भी बतौर उपकप्तान। इस बीच वह 25 की उम्र में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। शुभमन गिल 8 सितंबर को 26 साल के हो गए। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और युवराज सिंह के एलिट क्लब में भी शामिल हो गए। बता दें 26 साल के होने से पहले भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की एलिट लिस्ट। लिस्ट में सबसे ऊपर सचिन तेंदुलकर का नाम हैं। उन्होंने 26 साल का होने से पहले ही भारत के लिए 12978 रन बनाए थे। उन्होंने ये रन 309 पारियों में बनाए। इस दौरान उन्होंने 40 अंतरराष्ट्रीय शतक भी लगाए थे। वहीं 26 साल की उम्र से पहले भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली दूसरे नंबर पर हैं। कोहली ने 211 पारियों में 8728 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 26 शतक लगाए। इस सूची में तीसरे नंबर युवराज सिंह आते हैं। उन्होंने 26 साल की उम्र से पहले भारत के लिए 211 पारियों में 6661 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 11 शतक निकले थे। और अब 26 साल की उम्र से पहले 6000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरा करने वाले शुभमन गिल भारत के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 145 पारियों में 6000 रन बनाए हैं। इसमें 18 शतक शामिल हैं। शुभमन गिल ने इस सूची में मौजूद युवराज सिंह के मुकाबले कम पारियों में 6000 रन वाले क्लब में एंट्री ली। युवराज ने जहां 211 पारियों में 6661 रन बनाए वहीं गिल ने 145 पारियों में 6000 रन पूरे किए हैं। इस दौरान युवी ने 11 शतक लगाए जबकि गिल ने कम पारियों में 18 शतक जड़े।

भगवान शिव को किस जगह मिली थी ब्रह्महत्या से मुक्ति, आज कहां है वो स्थान ?

उत्तराखंड के पवित्र शहर बद्रीनाथ में स्थित ब्रह्मकपाल, एक ऐसा स्थान है जिसका संबंध हिंदू धर्म की सबसे प्रमुख मान्यताओं में से है। यह वही जगह है जिसकी कहानी भोलेनाथ के ब्रह्महत्या पाप से जुड़ी है। और इसी वजह से यह स्थान पितरों को मोक्ष दिलाने के लिए एक बहुत ही पवित्र तीर्थ माना जाता है।

हिंदू धर्म में बद्रीनाथ धाम का विशेष महत्व है। यह धाम चार धामों में से एक माना जाता है और हर साल लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। बद्रीनाथ धाम में स्थित 'ब्रह्मकपाल' नामक स्थल को बेहद पवित्र और शक्तिशाली माना गया है। मान्यता है कि यहीं पर भगवान शिव को ब्रह्महत्या के पाप से मुक्ति मिली थी। आइए इस जगह के महत्व और इससे जुड़ी उस पौराणिक कहानी के बारे जान लेते है।

ब्रह्महत्या का पाप और शिव का दंड

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार भगवान शिव और भगवान ब्रह्मा के बीच श्रेष्ठता को लेकर एक विवाद हुआ। इस विवाद के दौरान, क्रोध में आकर भगवान शिव ने ब्रह्मा के पांच सिरों में से एक को काट दिया। इस कार्य के लिए उन्हें ब्रह्महत्या का घोर पाप लगा। कटे हुए सिर का हिस्सा, जिसे 'कपाल' कहा जाता है, भगवान शिव के हाथ से चिपक गया और उन्हें इस पाप से मुक्ति पाने के लिए कई वर्षों तक भटकना पड़ा। इस यात्रा के दौरान, वे कई पवित्र स्थानों पर गए, लेकिन वह कपाल उनके हाथ से नहीं छूटा।

बद्रीनाथ का ब्रह्मकपाल और शिव की मुक्ति

आखिर में, जब भगवान शिव बद्रीनाथ के पवित्र धाम में पहुंचे, तो उनके हाथ से वह ब्रह्म कपाल अपने आप गिर गया। यह वही स्थान है जिसे आज ब्रह्म कपाल के नाम से जाना जाता है। इस घटना के बाद ही उन्हें ब्रह्महत्या के पाप से मुक्ति मिली। तभी से यह माना जाता है कि यह स्थान इतना पवित्र है कि यहाँ किया गया कोई भी धार्मिक अनुष्ठान या श्राद्ध कर्म सीधा मोक्ष की ओर ले जाता है।

पितरों का मोक्ष और ब्रह्मकपाल का महत्व

ब्रह्मकपाल पर पितरों के लिए श्राद्ध कर्म करने का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि यदि कोई व्यक्ति अपने दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए यहां पिंडदान करता है, तो उन्हें जन्म और मृत्यु के चक्र से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाती है। इसी वजह से, देश के कोने-कोने से लोग अपने पितरों को मोक्ष दिलाने की कामना से यहां आते हैं। कहा जाता है कि स्वयं भगवान ब्रह्मा इस स्थान पर मौजूद हैं। इसलिए, यहां पर किया गया हर श्राद्ध कर्म सीधे उनके द्वारा स्वीकार किया जाता है। इस स्थान को पितृ दोष निवारण का सबसे प्रभावी केंद्र भी माना जाता है। यहां श्राद्ध करने से माना जाता है कि पितृ दोष से जुड़ी सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं और परिवार में सुख-शांति आती है।

ग्रहण के समय बच्चे का जन्म शुभ या अशुभ, इससे जुड़ी मान्यताएं

ग्रहण के दौरान बेहद सावधानियां बरतने की जरूरत होती है। ग्रहण के समय बच्चे का जन्म बच्चे पर क्या असर डालता है, जानें इससे जुड़ी मान्यताएं और रहस्य।

हिंदू धर्म में ग्रहण को ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार माना जाता है। साल 2025 में कुल 4 ग्रहण लगेंगे जिसमें से दो सूर्य और दो चंद्र ग्रहण है। साल 2025 में दो चंद्र ग्रहण लग चुके हैं। आने वाले समय पर साल का आखिरी सूर्य ग्रहण लगने वाला है।

साल 2025 का आखिरी सूर्य ग्रहण 21 सितंबर 2025, रविवार को सर्व पितृ अमावस्या के दिन लगने वाला है। इस दौरान बच्चे का जन्म होना शुभ होता है या अशुभ जानें इससे जुड़े रहस्य और मान्यताएं।

ग्रहण के दौरान बच्चे का जन्म शुभ या अशुभ

किसी भी ग्रहण के दौरान चाहे वह सूर्य या चंद्रमा ग्रहण है, ग्रहण की हानिकारक किरणें गर्भवती महिला और बच्चे के लिए हानिकारक होती हैं। इसलिए इस दौरान गर्भवती महिलाओं को घर से निकलता शुभ नहीं माना जाता, क्योंकि यह नवजात शिशु के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं।

मान्यताओं के अनुसार ग्रहण के समय जन्म लेने वाले बच्चे को शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए ग्रहण के समय बच्चे का जन्म की प्रक्रिया को टालना ही सही होता है।

मान्यता के अनुसार इस दौरान जन्मे बच्चों में कभी-कभी त्वचा रोग, शारीरिक दोष, या मानसिक अस्थिरता देखी जा सकती है।

इस दौरान जन्म लेने वाले बच्चे को अशुभ प्रभावों से बचने के लिए विशेष सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती है।

जन्म के बाद उपाय

अगर किसी कारण से बच्चे का जन्म ग्रहण के समय हो जाता है तो जन्म के बाद अगर कुछ विशेष उपाय किए जाए तो इसके दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है।

इस दौरान शांति पूजा, हवन, या दान करने की सलाह दी जाती है।

ग्रहण में बच्चे के जन्म के बाद अनाज, या वस्त्र दान करें।

नवजात की मृत्यु के बाद क्या है श्राद्ध की परंपरा? करें या न करें?

पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करना महत्वपूर्ण और पुण्य और फलदायी माना गया है। लेकिन पितृपक्ष के दौरान नवजात शिशु के श्राद्ध के क्या हैं नियम, और किस तरह से होता है बच्चों का श्राद्ध जानें।

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का विशेष महत्व है। पितृपक्ष के दौरान श्राद्ध कर्म किए जाते हैं जिससे हमारे पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करने से मृतक की आत्मा तृप्त होती है। साल 2025 में पितृपक्ष की शुरुआत 7 सितंबर से हो चुकी है जो 21 सितंबर यानी सर्वपितृ अमावस्या की तिथि तक चलेंगे। पितृपक्ष के दौरान सभी पितरों का श्राद्ध किया जाता है। हर तिथि का अपना अलग श्राद्ध होता है। लेकिन क्या नवजात शिशु का श्राद्ध कर्म कर सकते हैं, और अगर कर सकते हैं तो नवजात शिशु के श्राद्ध कर्म के क्या नियम हैं जानते हैं।

बच्चों का श्राद्ध कब करना चाहिए?

अगर बच्चे के आयु 6 वर्ष से कम है और उसका निधन हो जाता है तो बच्चा का श्राद्ध उसकी मृत्यु तिथि पर ही किया जाता है। नवजात शिशु की मृत्यु के बाद, श्राद्ध (पिंडदान) के बजाय तर्पण किया जाता है। तर्पण एक विशिष्ट कर्मकांड है जो प्रेत योनि में फंसे शिशु को मोक्ष दिलाने में मदद करता है।

तर्पण क्यों किया जाता है?

जब कोई बच्चा नवजात शिशु की मृत्यु के बाद प्रेत योनि में अटक जाता है। तर्पण के बाद शिशु पितृ बनता है और मोक्ष प्राप्त करता है। अगर नवजात शिशु की किसी कारण से मृत्यु हो जाती है तो उसे मोक्ष की प्राप्ति करना जरूरी होता है।नवजात शिशु का केवल तर्पण किया जाता है और नवजात शिशु का पिंडदान ना करें।

किस तिथि पर होता है बच्चों का श्राद्ध?

पितृपक्ष के दौरान अगर किसी की तिथि ज्ञात ना हो तो उसका तर्पण त्रयोदशी तिथि के दिन कर सकते हैं। ऐसा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गर्भावस्था में शिशु के श्राद्ध के नियम?

गर्भावस्था के दौरान किसी कारण से अजन्मी संतान की मृत्यु माता के गर्भ में हो जाती है तो शास्त्रों के अनुसार उसका श्राद्ध कर्म नहीं किया जाता है।

मित्रता के मायने

समाज सुधारक ईश्वरचंद्र विद्यासागर एक बार किसी छोटी-सी दुकान में चारपाई पर बैठकर दुकानदार से सहज भाव से बातें कर रहे थे। तभी उनका एक मित्र वहां आ पहुंचा।

उस मित्र ने ईश्वरचंद्र जी को इशारे से बाहर बुलाया और कहा, 'इस तरह छोटे लोगों के साथ क्यों बैठते हो? अपनी मान-मर्यादा का कुछ तो ख्याल रखा करो।' यह सुनकर ईश्वरचंद्र जी ने मुस्कराते हुए पूछा, 'तो फिर तुम क्यों मेरे जैसे छोटे आदमी के साथ उठते-बैठते हो?' मित्र ने कहा, 'तुम तो मेरे मित्र हो... और मित्रता में कोई छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब नहीं होता।'

यह उत्तर सुनकर ईश्वरचंद्र मुस्कराए और बोले, 'यही बात तो मैं तुम्हें समझाना चाहता हूं कि मित्रता में कोई अमीर-गरीब या छोटा-बड़ा नहीं होता। वह दुकानदार मेरा मित्र है और मुझे उतना ही प्रिय है, जितने तुम। अब बताओ, उससे घुल-मिलकर बातें करके मैंने क्या गलती की?' ईश्वरचंद्र जी के इस सवाल ने उनके मित्र को बेहद शर्मिंदा कर दिया।

इस बार मां का आगमन और प्रस्थान देगा शुभ-अशुभ संकेत

साल 2025 में नवरात्रि की शुरुआत 22 सितंबर, सोमवार के दिन से हो रही है। इस दिन बेहद खास माना जा रहा है। जानते हैं इस शारदीय नवरात्रि मां का आगमन और प्रस्थान किस सवारी पर होगा और यह देश और दुनिया पर क्या प्रभाव डालेगा।

शारदीय नवरात्रि को हिंदू धर्म में बहुत खास और महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना की जाती है। माता रानी हर साल अलग वाहन पर सवार होकर आती हैं। साल 2025 में मां दुर्गा के आगमन और प्रस्थान का वाहन क्या रहेगा, और किस प्रकार से शुभ और अशुभ फल प्रदान करेगा ,जानें इससे जुड़ी जानकारी। हर बार मां दुर्गा के पृथ्वी पर आगमन और प्रस्थान की सवारी अलग होती है। साल 2025 में शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 22 सितंबर 2025, सोमवार के दिन से हो रही है। इस दिन घटस्थापना के साथ नवरात्रि का पवन उत्सव 10 दिनों तक मनाया जाएगा। साल 2025 में मां दुर्गा का आगमन हाथ पर होगा।

मां दुर्गा का आगमन

मां दुर्गा के आगमन और प्रस्थान को दिन और वार के हिसाब से तय किया जाता है। माता का हाथी या गज पर आगमन बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है अगर मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं तो यह सुख-समृद्धि, व्यापार और कृषि के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। अगर मां दुर्गा का आगमन रविवार, सोमवार के दिन होता है तो यह कृषि, धन-धान्य के लिए शुभ होता है।

मां दुर्गा का प्रस्थान

साथ ही माता रानी के प्रस्थान की बात करें तो माता रानी नर यानी मनुष्य के कंधे पर प्रस्थान करेंगी। माता रानी का प्रस्थान गुरुवार के दिन 2 अक्टूबर को होगा। जो सुख, शांति, व्यापार में वृद्धि और पड़ोसी देशों से अच्छे संबंधों का प्रतीक है।

माता रानी का आगमन पर हाथी और प्रस्थान मनुष्य के कंधे पर शुभ प्रभाव डालेगा। इसे कुल मिलाकर सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति का प्रतीक माना जा है। इसका कोई प्रमुख अशुभ प्रभाव नहीं है; बल्कि यह आने वाले समय में शुभ फलदायक माना जाता है।

जितिया व्रत के बाद धागा कहां और कैसे विसर्जित करें? इससे जुड़े सही नियम

सनातन धर्म में जितिया व्रत का विशेष महत्व है। यह व्रत माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना के लिए करती हैं। पंचांग के अनुसार, इस साल जितिया व्रत 14 सितंबर 2025, रविवार को रखा जाएगा। इस दिन महिलाएं निर्जला उपवास करती हैं और पुत्र सुख की कामना से जितिया व्रत की पूजा करती हैं।

जितिया व्रत, जिसे जीवित्पुत्रिका व्रत भी कहा जाता है, माताओं द्वारा अपनी संतान की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और आरोग्य के लिए रखा जाने वाला एक महत्वपूर्ण पर्व है। तीन दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत में माताएं निर्जला उपवास करती हैं। व्रत के दौरान और पारण के बाद भी कई तरह के नियम और परंपराएं निभाई जाती हैं। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण परंपरा है व्रत में पहने जाने वाले जितिया धागे का विसर्जन। बहुत सी माताओं को यह जानकारी नहीं होती कि व्रत के बाद इस धागे को कहां और कैसे विसर्जित करना चाहिए। आइए जानते हैं इस धागे के सही विसर्जन से जुड़े नियम।

क्या है जितिया का धागा?

जितिया व्रत में एक विशेष धागा या डोरी पहनी जाती है, जिसे जितिया धागा कहते हैं। यह धागा आमतौर पर रेशम या सूती होता है और इसमें कुछ गांठें लगी होती हैं। व्रत रखने वाली महिलाएं इसे पूजा के दौरान भगवान से आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद अपने गले या हाथ में धारण करती हैं। इस धागे को संतान की सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है और इसे पूरे व्रत के दौरान धारण किया जाता है।

व्रत के बाद कब और कैसे उतारें धागा?

जितिया व्रत का पारण करने के बाद ही इस धागे को उतारा जाता है। व्रत का पारण करने से पहले धागे को नहीं उतारना चाहिए, क्योंकि यह व्रत का एक अभिन्न अंग होता है। पारण करने के बाद, माताएं इस धागे को श्रद्धापूर्वक अपने गले या हाथ से उतार सकती हैं। इस धागे को उतारते समय मन में संतान की लंबी आयु और कल्याण की कामना करनी चाहिए।

धागा विसर्जन के सही नियम

नदी या तालाब में विसर्जन- जितिया धागे को विसर्जित करने का सबसे उत्तम स्थान किसी पवित्र नदी या तालाब का जल होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जल में विसर्जित करने से इस धागे में समाहित सकारात्मक ऊर्जा प्रकृति में वापस मिल जाती है। इसे प्रवाहित करते समय भगवान सूर्य और जीवित्पुत्रिका देवी से अपनी संतान के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

पीपल के पेड़ के पास- अगर आपके आस-पास कोई नदी या तालाब नहीं है, तो आप इस धागे को किसी पीपल के पेड़ के नीचे रख सकते हैं। पीपल का पेड़ पूजनीय माना जाता है और इसे देवस्थान के समान माना जाता है। धागे को पेड़ की जड़ के पास रखने से भी व्रत का पुण्य फल प्राप्त होता है।

क्या न करें?

कूड़ेदान में न फेंके- जितिया धागे को कभी भी कूड़ेदान या किसी भी अपवित्र स्थान पर नहीं फेंकना चाहिए। यह व्रत की पवित्रता और आस्था का अपमान माना जाता है। ऐसा करने से व्रत का फल नष्ट हो सकता है।

घर में न रखें- इस धागे को लंबे समय तक घर में किसी कोने में नहीं रखना चाहिए। व्रत के तुरंत बाद ही इसे विधिपूर्वक विसर्जित कर देना चाहिए।

जलाएं नहीं- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, किसी भी पूजनीय वस्तु को जलाना उचित नहीं माना जाता है। धागे को जलाने से बचें।

पितृपक्ष 2025: आखिर माता सीता ने पितृपक्ष में क्यों दिया था गाय को श्राप?

पितृपक्ष का समय आते ही गया धाम का महत्व और भी बढ़ जाता है। कहा जाता है कि यहीं माता सीता ने एक ऐसा कार्य किया था, जिसने पूरे सनातन धर्म को गहरा संदेश दिया। कथा से जुड़ा यह प्रसंग आज भी लोगों को सोचने पर मजबूर करता है, क्योंकि इसमें न सिर्फ श्राद्ध का महत्व छिपा है, बल्कि सत्य और धर्म की रक्षा का गूढ़ रहस्य भी छिपा है।

गया धाम में घटा अनोखा प्रसंग- कहा जाता है कि भगवान राम, लक्ष्मण और माता सीता अपने पिताश्री दशरथ के पिंडदान के लिए गया धाम पहुंचे थे। राम और लक्ष्मण जब सामग्री लेने बाहर गए, तो देर होने पर सीता ने स्वयं पिंडदान का निर्णय लिया। इस दौरान उन्होंने गाय, फल्गु नदी, केतकी फूल और वटवृक्ष को साक्षी बनाकर पिंडदान संपन्न किया। लेकिन जब राम और लक्ष्मण लौटकर आए और सीता ने अपनी बात साबित करने के लिए गवाहों से सच कहने को कहा, तब वटवृक्ष को छोड़कर गाय, फल्गु नदी, केतकी फूल ने झूठ बोल दिया। इस विश्वासघात से माता सीता क्रोधित हो गईं और उन्होंने गाय को श्राप दे दिया कि भविष्य में वह पूजनीय होने के बावजूद मनुष्यों की जूठन खाएगी। माना जाता है इसी कारण से आज भी गाय सबसे पवित्र होते हुए भी वह कई बार जूठा खाती दिख जाती है।

बाकी गवाहों को भी मिला दंड- इस कथा के अनुसार, गाय ही नहीं बल्कि बाकी गवाहों को भी दंड मिला। फल्गु नदी को सूखी रहने का श्राप मिला, केतकी फूल को भगवान शिव की पूजा से वंचित कर दिया गया।

पितृपक्ष में वटवृक्ष बना पूजनीय- केवल वटवृक्ष को पितृपक्ष में पूजनीय बना दिया गया। ये श्राप आज भी सनातन परंपराओं में दिखाई देते हैं और हमें उस ऐतिहासिक घटना की याद दिलाते हैं।

पितृपक्ष और गया धाम का महत्व- गया धाम को पितृपक्ष का सबसे बड़ा तीर्थ माना जाता है। मान्यता है कि यहां किया गया पिंडदान पितरों को सीधे मोक्ष प्रदान करता है। यही वजह है कि हर साल पितृपक्ष में लाखों लोग यहां आकर अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध करते हैं। 2025 में पितृपक्ष 13 सितंबर से शुरू होकर 27 सितंबर तक चलेगा और इस दौरान गया में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी।

धार्मिक संदेश देती है ये कथा- सीता और गाय से जुड़ी यह कथा हमें केवल श्राप और आस्था की कहानी नहीं बताती, बल्कि यह धर्म, सत्य और कर्तव्य पालन की मिसाल भी देती है। यह प्रसंग दिखाता है कि सत्य छिपाने की सजा कितनी कठोर हो सकती है और धर्म की रक्षा के लिए कितनी दृढ़ता चाहिए। पितृपक्ष में यह कथा फिर से चर्चा का विषय बन जाती है, क्योंकि यह हमें पूर्वजों के प्रति कर्तव्य और सत्य के प्रति सम्मान की सीख देती है।

सोनाली के शो में पत्नी सुनीता का खुलासा अपनी सभी हीरोइन के साथ फ्लर्ट करते थे गोविंदा

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने अब रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' पर गोविंदा को लेकर बड़ा खुलासा किया है। गोविंदा और सुनीता आहूजा के तलाक की अफवाहों ने कुछ दिन पहले काफी सुर्खियां बटोरी थीं। हालांकि, बाद में दोनों ने एकसाथ आकर इन अफवाहों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। अब सुनीता सोनाली बेंद्रे और मुनव्वर फारूकी के होस्टिंग वाले रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में पहुंचीं। यहां उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए गोविंदा के बारे में भी कई खुलासे किए। सुनीता ने बताया कि गोविंदा अपने वक्त की हर हीरोइन के साथ फ्लर्ट करते थे।

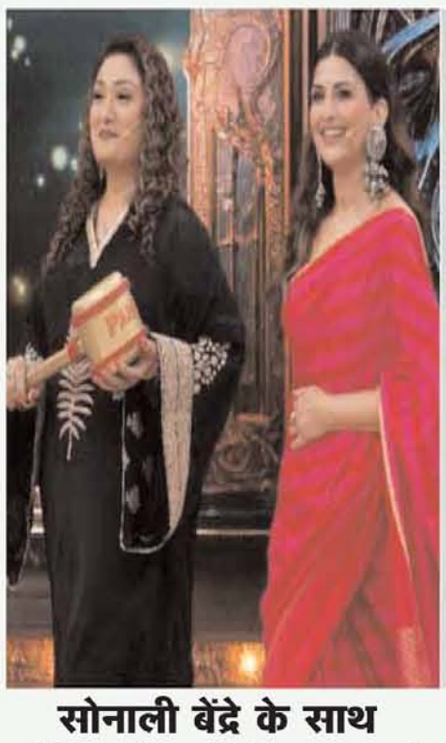

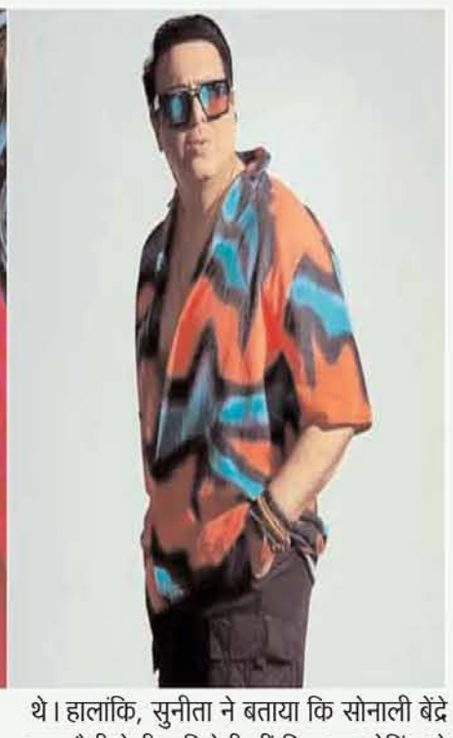

सोनाली बेंद्रे के साथ गोविंदा ने नहीं किया फ्लर्ट

'पति पत्नी और पंगा' के आगामी एपिसोड में सुनीता आहूजा बतौर अतिथि नजर आएंगी। इस दौरान वो गोविंदा को लेकर भी कई किस्से साझा करेंगी। अब हालिया प्रोमो में पता चलता है कि शो में सुनीता ने काफी मस्ती भी की। इस दौरान सुनीता ने बताया कि गोविंदा उस वक्त में अपनी हर को-एक्ट्रेस के साथ फ्लर्ट करते थे। हालांकि, सुनीता ने बताया कि सोनाली बेंद्रे इकलौती ऐसी अभिनेत्री थीं जिन पर गोविंदा ने कभी अपना जादू नहीं चलाया और उनके साथ कभी भी फ्लर्ट नहीं किया। यह सुनकर सेट पर मौजूद हर कोई हैरान था। क्योंकि सोनाली बेंद्रे ने गोविंदा के साथ ही अपने करियर की पहली बड़ी हिट फिल्म 'आग' दी थी।

सुनीता ने शो पर की मस्ती

शो में सुनीता का बेबाक अंदाज भी कई मौकों पर देखने को मिला। इस दौरान जब शो के होस्ट और कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी सुनीता के साथ डांस करने के लिए उन्हें खींचते हैं, तो सुनीता तुरंत ही कहती हैं कि मैं तेरी बीवी नंबर 1 थोड़ी हूं जो तू मेरे साथ डांस कर रहा है। मैं गोविंदा की बीवी नंबर 1 हूं। इसके अलावा एक मौके पर सुनीता कहती हैं कि क्या इस शो का नाम 'पति पत्नी और पंगा' तुम लोगों ने मेरे और गोविंदा के ऊपर ही रखा है। इसके बाद सब ठहाके मारकर हंसने लगते हैं। इस दौरान सभी ने गोविंदा के गाने 'मैं तो रस्ते से जा रहा था' पर डांस भी किया।

पति पत्नी का रियलिटी चेक है शो

'पति पत्नी और पंगा' एक रियलिटी शो है, जहां पर मुनव्वर फारूकी और अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे शो को होस्ट कर रहे हैं। इस शो में पति-पत्नियों का रियलिटी चेक होता है और हंसी-मजाक चलता रहता है। शो में पति-पत्नी की जोड़ियों के रूप में रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, हिना खान और रॉकी जायसवाल, स्वरा भास्कर और फहाद अहमद, गीता फोगाट और पवन कुमार, गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी, सुदेश लहरी और ममता लहरी, अविका गौर और मिलिंद चंदवानी और ईशा मालवीय और अभिषेक कुमार शामिल हैं। यह शो शनिवार-रविवार को कलर्स पर रात 9 बजे और जियो हॉटस्टार पर आता है।

दिव्या ने बताया कैसे की 'एक चतुर नार' के किरदार की तैयारी

'एक चतुर नार' की रिलीज का इंतजार कर रहीं दिव्या खोसला ने फिल्म और अपने किरदार को लेकर बात की। जानिए अभिनेत्री ने क्या कुछ बताया। अभिनेत्री दिव्या खोसला इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'एक चतुर नार' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस फिल्म में वो नील नितिन मुकेश के साथ नजर आएंगी। अब फिल्म की रिलीज से पहले दिव्या ने अमर उजाला से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने फिल्म की तैयारी को लेकर भी बात की। साथ ही फिल्म और अपने अनुभवों पर अपने राय रखी।

फिल्म को लेकर कितनी उत्सुक हैं?

मैं काफी उत्साहित हूं। हमारे ट्रेलर को ऑडियंस का बहुत प्यार मिला। यूट्यूब इंडिया ने भी कमेंट किया कि फिल्म बहुत अछी लग रही है और नील और मेरी एक्टिंग बहुत शानदार है। इससे हमें और हमारी फिल्म को काफी प्रोत्साहन मिला है। हमारी फिल्म मुख्य रूप से कॉमेडी है, लेकिन इसमें थोड़ी थ्रिल और सस्पेंस भी है।

इस फिल्म में काम करना एक चुनौती भी है?

हां, क्योंकि हमारी फिल्म की कहानी नई और असल है। हमने इसे आज के दौर को ध्यान में रखकर बनाया है। फिल्म में टेक्नोलॉजी को लेकर भी जो कुछ दिखाया गया है वो इन दिनों बहुत चल रहा है। हर किसी के फोन में इतना कुछ होता है कि उसका दुरुपयोग भी हो सकता है। यह बहुत जरूरी मुद्दा है, इसलिए सभी कनेक्ट करेंगे। फैमिली ऑडियंस के लिए भी फिल्म अछी है।

इस किरदार में खुद को किस तरह ढाला

दरअसल, फिल्म के हर किरदार की कई परतें हैं क्योंकि ये ऐसी फिल्म है, जिसमें कोई भी पूरा अछा या बुरा नहीं है। कोई दूध का धुला नहीं है। अपने अंदर दोनों किरदार लेकर चलना आसान नहीं। साथ ही झुग्गी में रहने वालों की भाषा अपनाना भी आसान नहीं था। लखनऊ का किरदार है तो वहां की भाषा को अपनाना पड़ा क्योंकि मेरी पंजाबी मजबूत है। काफी मेहनत लगी पर यह मजेदार अनुभव था।

आप एक मशहूर कलाकार हैं तो अपनी निजता कैसे संभालती हैं?

अगर सोशल मीडिया पर कोई मुझे लेकर बुरा कमेंट करता है तो उसे ब्लॉक कर देती हूं। शुरुआत में मैं बहुत सोचती थी कि लोग ऐसा क्यों कह रहे हैं? तब जॉन अब्राहम ने कहा था कि मैं कभी कमेंट्स नहीं पढ़ता। ये बहुत कमाल की सलाह थी। इतने लोग हैं, बातें करेंगे ही। मेरा आत्मविश्वास कोई डगमगा नहीं सकता।

कोई ऐसा किरदार जो करना चाहती हों

पहले कहते थी कि मुझे कॉमेडी फिल्म करनी है। अब एक पीरियड फिल्म करने की इछा है। साल में बहुत कम फिल्में करती हैं। क्या ऐसा जानबूझकर होता है नहीं, मैं कई स्क्रिप्ट सुनती हूं पर काम उसमें ही करती हूं जो पसंद आती है। अगर आगे भी अछे और मजेदार किरदार मिलेंगे तो मैं जरूर करूंगी। इसके बाद मेरी एक तेलुगु फिल्म जटाधरा आने वाली है, शायद नवंबर में रिलीज होगी। उसके लिए मैंने तेलुगु सीख ली है, डबिंग भी खुद कर रही हूं।

रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा को लेकर चर्चा में रुबीना दिलैक

छोटे परदे की एक्ट्रेस रुबीना दिलैक इन दिनों अपने नए रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा को लेकर चर्चा में हैं। रुबीना ने हाल ही में सोशल मीडिया पर ऐसा पोस्ट किया, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया। एक्ट्रेस रुबीना ने इंस्टाग्राम पर गहरे नीले रंग की साड़ी में कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। इस पारंपरिक लुक में उन्होंने मंगलसूत्र, मांग में सिंदूर और हाथों में चूड़ियां पहन रखी थीं, जो उनकी सुंदरता को और निखार रहे थे। खुले बाल और कॉन्फिडेंट पोज़ ने उनके लुक में और भी चार चांद लगा दिए। इन तस्वीरों को साझा करते हुए रुबीना ने फैंस से सवाल पूछा, क्या मुझे साड़ी ज्यादा बार पहननी चाहिए? उनकी एक तस्वीर में वह स्टाइलिश अंदाज में कैमरे की ओर देखती नजर आईं, तो दूसरी तस्वीर में उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कमर पर हाथ रखा हुआ था। इस पोस्ट पर फैंस ने जमकर प्यार लुटाया। किसी ने उन्हें बॉस लेडी कहा, तो किसी ने लिखा प्रिटी लुक, रुबीना! वहीं एक फैन ने उनकी तारीफ करते हुए लिखा, आपके बाल इस लुक में कमाल के लग रहे हैं। रुबीना दिलैक की टीवी इंडस्ट्री में पहचान सीरियल छोटी बहू से बनी, जिसमें उन्होंने राधिका का किरदार निभाया था। दरअसल, वह शुरुआत में आईएएस अधिकारी बनना चाहती थीं और चंडीगढ़ में इसकी तैयारी भी कर रही थीं। लेकिन किस्मत ने उन्हें एक्टिंग की दुनिया में ला खड़ा किया। एक दोस्त के कहने पर उन्होंने छोटी बहू का ऑडिशन दिया और तुरंत सिलेक्ट हो गईं। इसके बाद रुबीना ने सास बिना ससुराल, पुनर्विवाह एक नई उम्मीद, जीनी और जूजू और शक्ति जैसे पॉपुलर शोज में काम किया। टीवी से आगे बढ़कर उन्होंने राजपाल यादव स्टारर फिल्म अर्ध से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसके अलावा, वह रियलिटी शो बिग बॉस 16 की विनर भी रह चुकी हैं।

मलाइका अरोड़ा का दिन हेल्दी ड्रिंक्स और संतुलित जीवनशैली से होता है शुरू

बालीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोडा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी सुबह की एक झलक साझा की, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया। इस तस्वीर में एक गोल्डन ट्रे रखी हुई नजर आई, जिस पर हेल्दी ड्रिंक्स का शानदार सेटअप सजा था। ट्रे में सबसे पहले एक ट्रांसपेरेंट ग्लास रखा दिखा, जिसमें गर्म पानी था और उसके साथ मेटल का स्ट्रॉ लगा हुआ था। यह आमतौर पर डिटॉक्स और हाइड्रेशन के लिए सुबह उठते ही पिया जाता है। इसके पास ढक्कन और स्ट्रॉ वाला कप रखा था, जिसे देखकर फैंस ने अनुमान लगाया कि इसमें शायद जूस या स्मूदी जैसा हेल्दी ड्रिंक होगा। वहीं तीसरे कप के रूप में एक ब्लेंडिंग शेकर नजर आया, जिसमें गाजर का जूस भरा था। इसके साथ ही एक छोटा पीले रंग का जार भी दिखाई दिया, जिस पर नीले-सफेद चेक डिजाइन का ढक्कन था। माना जा रहा है कि यह किसी घरेलू टॉनिक या हेल्दी पेस्ट से भरपूर जार हो सकता है। यह तस्वीर साफ तौर पर दिखाती है कि मलाइका का दिन हेल्दी ड्रिंक्स और संतुलित जीवनशैली से शुरू होता है। वह पहले भी कई इंटरव्यू में बता चुकी हैं कि फिट रहने के लिए उन्हें बड़े जिम या भारी-भरकम मशीनों की जरूरत नहीं होती। उनका मानना है कि सही खानपान और अनुशासित दिनचर्या ही स्वस्थ जीवन की असली कुंजी है। मलाइका ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह सुबह उठते ही सबसे पहले गर्म पानी पीती हैं, फिर योग या स्ट्रेचिंग करती हैं। इसके बाद वह ताजे जूस लेती हैं, जो उन्हें दिनभर एक्टिव और तरोताजा बनाए रखता है। इसके अलावा वह मेडिटेशन को भी अपनी दिनचर्या का अहम हिस्सा मानती हैं और कहती हैं कि यह उन्हें मानसिक रूप से शांत और मजबूत बनाता है। खाने की आदतों की बात करें तो मलाइका बेहद सिंपल और हेल्दी फूड को प्राथमिकता देती हैं। वह जंक फूड से दूरी बनाए रखती हैं और नेचुरल डाइट पर ज्यादा भरोसा करती हैं। यही वजह है कि उनकी फिटनेस और ग्लोइंग स्किन अक्सर चर्चा का विषय रहती है। बता दें कि बॉलीवुड में फिटनेस, हेल्दी लाइफस्टाइल और योग की जब बात होती है तो सबसे पहला नाम एक्ट्रेस मलाइका अरोडा का आता है। मलाइका केवल एक अभिनेत्री या डांसर ही नहीं, बल्कि लाखों लोगों के लिए प्रेरणा हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो अपनी सुबह को पॉजिटिव और एनर्जेटिक अंदाज में शुरू करना चाहते हैं।

फैंस को खूब भा रहा निया शर्मा का ट्रेंडी स्टाइल

हाल ही में सोशल मीडिया पर अभिनेत्री निया शर्मा ने अपनी नई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनका फैशन सेंस और ट्रेंडी स्टाइल साफ नजर आ रहा है। छोटे परदे की मशहूर एक्ट्रेस निया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दो तस्वीरें पोस्ट कीं, जो उनके फैन्स को खूब पसंद आ रही हैं। पहली तस्वीर में निया ब्लैक टॉप और स्टाइलिश काले चश्मे में दिखाई दीं। खुले बाल, मिनिमल मेकअप और हल्की मुस्कान के साथ उनकी यह सेल्फी उनके लुक को और भी आकर्षक बना रही थी। दूसरी तस्वीर में उन्होंने अपनी ब्लैक सैंडल की झलक दिखाई, जिसने उनके ऑल-ब्लैक गेटअप को पूरा किया। उनका यह लुक उनकी बोल्ड और स्टाइलिश पर्सनैलिटी को और निखारता है। निया शर्मा टेलीविजन इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जिन्होंने अपनी एक्टिंग और फैशन दोनों से दर्शकों को प्रभावित किया है। उन्होंने साल 2010 में टीवी शो काली ङ्क एक अग्निपरीक्षा से अभिनय की शुरुआत की थी।

इस शो में निभाए गए अनु के किरदार ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद वह एक हजारों में मेरी बहना है में नजर आईं, जिसने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। निया ने इसके बाद जमाई राजा और नागिन जैसे हिट शोज में भी काम किया, जिनसे उन्होंने अपनी खास पहचान बनाई। हाल ही में वह सेलिब्रिटी कुकिंग शो लाफ्टर शेफ्स = अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में भी नजर आई थीं। इस शो में उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह जैसे सितारे शामिल हुए थे। शो में एल्विश यादव और करण कुंद्रा विजेता बने थे। निया का नया ऑल-ब्लैक लुक एक बार फिर उनके फैशन स्टेटमेंट को साबित करता है और यह बताता है कि वह न सिर्फ टीवी की दमदार अभिनेत्री हैं, बल्कि स्टाइल आइकन भी हैं। बता दें कि अपनी एक्टिंग के साथ-साथ वह अपने बोल्ड लुक्स और बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। निया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरों और वीडियोज से फैन्स को अपडेट करती रहती हैं।

पवित्रा पुनिया की तस्वीरों ने मचा दी हलचल

छोटे परदे की एक्ट्रेस पवित्रा पुनिया (नेहा सिंह) अभिनय के साथ-साथ अपने स्टाइल और व्यक्तित्व के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों ने न सिर्फ उनके फैन्स को आकर्षित किया बल्कि उनके बीच हलचल भी मचा दी। पोस्ट की तस्वीरों में पवित्रा एक कैफे में बैठी नजर आ रही हैं। उन्होंने डार्क मरून शर्ट और ब्लू जींस पहनी हुई है, जो उनके लुक को बेहद आकर्षक बना रहा है। उनके खुले लंबे बाल और चेहरे पर सटल मेकअप उनकी खूबसूरती को और निखार रहा है। एक तस्वीर में वह अपने फोन में देखते हुए लिपस्टिक लगाती दिख रही हैं, जबकि टेबल पर रखा पिजा का स्लाइस और कॉफी का कप उनके रिलैक्स मूड और छोटे से ब्रेक का एहसास कराता है। पवित्रा ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, रास्ते पर... आज से संघर्ष की शुरुआत। उनके इस अंदाज और संदेश ने फैन्स को भावुक कर दिया। कई लोगों ने कमेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके नए सफर के लिए दुआएं मांगीं। पवित्रा पुनिया का असली नाम नेहा सिंह है। उन्होंने 2009 में एमटीवी के रियलिटी शो स्प्लिट्सविला 3 से अपने करियर की शुरुआत की थी। उनकी बोल्ड पर्सनैलिटी और तीखे तेवर ने उन्हें उसी शो से पहचान दिलाई। इसके बाद 2010 में उन्होंने टीवी सीरियल गीत ङ्क हुई सबसे पराई से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। धीरे-धीरे उन्होंने लव यू जिंदगी, सवारे सबके सपने प्रीतो, ये है मोहब्बतें, नागिन 3, कवच, कलीरें और बालवीर रिटर्न्स जैसे धारावाहिकों में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई।

एक ही ऐप पर डीएमआरसी व एनएमआरसी के क्यूआर पर टिकट बुक करें : डॉ. लोकेश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने अपने मोबाइल ऐप 'एन.एम.आर.सी. टिकट' के जरिए डी.एम.आर.सी. के क्यूआर कोड टिकट बुक करने की सुविधा शुरू की है। यह सुविधा डी.एम.आर.सी. के मोबाइल ऐप 'दिल्ली मेट्रो सारथी' पर भी उपलब्ध है। यह जानकारी एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. लोकेश एम ने दी। वे सेक्टर-29 स्थित एनएमआरसी के कार्यालय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

इस प्रकार, यात्रियों के पास अब किसी एक मोबाइल ऐप का उपयोग करने का विकल्प होगा, जिसके माध्यम से वे एन.एम.आर.सी. और डी.एम.आर.सी. दोनों के लिए टिकट बुक कर सकते हैं। यह ऐप सम्बन्धित डी.एम.आर.सी. या एन.एम.आर.सी. स्टेशनों के लिए टिकट जारी करेगी। डी.एम.आर.सी. और एन.एम.आर. सी. नेटवर्क के लिए दो अलग-अलग क्यू आर कोड होंगे। इसके अलावा, ऐप में वैध टिकट की स्थिति, यानी टिकट का इस्तेमाल हो चुका है या उसकी समय सीमा समाप्त हो गई है, की जाँच करने की सुविधा भी होगी। इसके अलावा, एन.एम.आर.सी. मोबाइल ऐप को भी अधिक सुगमता के साथ नए रूप में लॉन्च किया गया है। साथ ही, आज हम एन.एम.आर.सी. वेबसाइट का नया संस्करण भी लॉन्च कर रहे हैं। वेबसाइट को जी.आई.जी.डब्ल्यू दिशा निर्देशों (भारत सरकार की वेबसाइटों के लिए दिशा निर्देश) के अनुसार डिजाइन किया गया है। इस मौके पर एनएमआरसी के कार्यकारी निदेशक महेन्द्र सिंह तथा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे

योगी सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध : तेजपाल नागर

सूरजपुर के किसानों को मिले किसान कोटे के प्लाट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा सूरजपुर क्षेत्र के किसानों को 6% आबंटन के अंतर्गत प्लॉटों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में दादरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक तेजपाल नागर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए और किसानों को उनके अधिकार स्वरूप प्लॉट आवंटन पत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम में विधायक तेजपाल नागर ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार सदैव किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को न्याय दिलाना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज किसानों को जो प्लॉट आवंटित किए जा रहे हैं, वे न केवल उनकी आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करेंगे बल्कि उनके परिवारों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर भी प्रदान करेंगे। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि क्षेत्र के किसानों और आम जनता के विकास से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई जैसे बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य हो रहा है। इस अवसर पर जिन किसानों को प्लॉट आवंटन पत्र प्रदान किए गए, उनमें प्रमुख रूप से राजेश कुमार, सतीश चंद्र पुत्र डालचंद, सुंदरलाल पुत्र डालचंद, प्रवीण, संतान देवी, राकेश चंद्र आदि शामिल हैं। इन किसानों ने विधायक का धन्यवाद करते हुए कहा कि सरकार और प्राधिकरण की इस पहल से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। कार्यक्रम में सत्यपाल शर्मा (जिला मंत्री भाजपा), लक्ष्मण सिंघल (पूर्व महामंत्री भाजपा), सुबे चौहान (मलकपुर) के अलावा बड़ी संख्या में प्राधिकरण के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

पुलिस आयुक्त से भेंट कर महिला सुरक्षा पर की चर्चा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा सिटीजन फोरम के एक प्रतिनिधिमंडल ने कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती इंद्राणी मुखर्जी के नेतृत्व में नौएडा की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह से भेंट की। इस अवसर पर महिला सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा इस दिशा में कार्ययोजना प्रस्तुत की गई।

प्रतिनिधिमंडल द्वारा नौएडा क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा एवं सहायता के लिए पुलिस विभाग के सहयोग से जागरूकता शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे पुलिस कमिश्नर ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया। इन शिविरों का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, उपलब्ध सुरक्षा संसाधनों व आपातकालीन सहायता उपायों की जानकारी देना है।

इस मुलाक़ात में प्रमुख रूप से एनसीएफ की संरक्षक श्रीमती शालिनी सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मधु मेहरा एवं चक्रधर मिश्रा, सचिव श्रीमती गरिमा त्रिपाठी व रणजीत सिंह, श्रीमती निशा चौहान तथा श्रीमती राजश्री गुप्ता आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नौएडा सिटीजन फोरम का संकल्प है कि व्यापक जनहित के विषयों के साथ ही हमारे प्रगतिशील समाज में महिला सुरक्षा को लेकर निरंतर कार्य करते रहेंगे और प्रशासन के साथ मिलकर जागरूकता को जन आंदोलन का रूप देंगे।

नोएडा पंजाबी समाज का शपथ ग्रहण समारोह कल

पंजाबी समाज को राजनीति में मिले अहम भागीदारी : विपिन मल्हन

नोएडा (चेतना मंच)। हाल ही गठित नोएडा पंजाबी समाज की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह कल यानी शनिवार को होगा। यह जानकारी संयोजक विपिन मल्हन ने दी। उन्होंने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को सेक्टर 51 स्थित वेडिंग विला में होने जा रहा है। जिसमें मुख्य अतिथि लोकप्रिय सांसद डॉक्टर महेश शर्मा और नोएडा विधायक पंकज सिंह होंगे।

नोएडा पंजाबी समाज के पूर्व अध्यक्ष व संयोजक विपिन मल्हन ने बताया कि इस कार्यक्रम में पंजाबी समाज से हजारों की संख्या में लोग उपस्थित होंगे और इसके भागीदार बनेंगे। इसके साथ ही उन्होंने नोएडा शहर के विकास में पंजाबी समाज की भूमिका और राजनीति में उनकी अनदेखी को लेकर भी अपना दुख प्रकट किया। इसके साथ ही उन्होंने पंजाब में आई आपदा पर भी कहा कि जल्द ही नोएडा का पूरा पंजाबी समाज पंजाब को फिर से खुशहाल बनाने में जुटेगा और उन्हें

हर तरह की सुविधा मुहैया कराई जाएगी।

इस मौके पर राजीव अजमानी अध्यक्ष, रणधीर सिंह महासचिव, नीरू शर्मा को कोषाध्यक्ष, भूपेंद्र सिंह को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रेस वार्ता के दौरान जेपी उप्पल, टीएस अरोड़ा, महेंद्र पाल सिंह, भूपेंद्र सिंह, जतिन मेहता, संदीप मेहंदी रत्ता, सूरज वर्मा, डॉक्टर ललित खन्ना, राकेश शर्मा, बीपी सभरवाल, संजीव, चुनाव अधिकारी कमल कुमार, सरीन, राजेश खुराना समेत समाज के लोग मौजूद रहे।

रालोद ने चलाया सदस्यता अभियान, कई सदस्य बनाये

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के निर्देशानुसार मेरठ मंडल की सदस्यता प्रभारी प्रियंका चौधरी एडवोकेट ने खुर्जा विधानसभा के गाँव माचड में सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसमें ग्राम प्रधान प्रेमपाल कटारिया ,कृष्णपाल सिंह अरूण कुमार अत्री ,प्रवीण कुमार, सोरन सिंह सुखपाल सिंह ,राजाराम, कटारिया जगबीर सिंह, निरंजन, मनोज कुमार विजेंदर, सतेनदर रविंदर, सुरेन्द्र, रीता चौधरी, हरपाल सिंह, शीला देवी, मनो देवी, आनंद कुमार अत्री, राजाराम कठेरिया आदि लोगों ने पार्टी में विश्वास जताते हुए सदस्यता ग्रहण की।

उधर राष्ट्रीय लोकदल स्थापना दिवस के अवसर पर गौर यमुना सिटी में मेरठ मंडल सदस्यता प्रभारी श्रीमती प्रियंका अत्री के नेतृत्व में सदस्यता अभियान को गति देने के लिए एक मीटिंग का आयोजन किया गया यहां उपस्थित सभी दुकानदारों को सदस्यता दिलवाई गई तथा प्रियंका अत्री का स्वागत किया गया। इस मौके पर अतुल चौधरी उपाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर, लक्ष्मण कुंतल राजकुमार, दुष्यंत, ऋषभ, पुनीत, प्रमोद आदि लोगों ने भाग लिया।

नोएडा के औद्योगिक सेक्टरों में नीचे नहीं लटकेंगे बिजली के तार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के औद्योगिक सेक्टर-6 व 7 में नीचे लटक रहे बिजली के तारों को जल्द ठीक कर यहां पर पेड़ों की छंटाई कराई जाएगी। साथ ही उद्यमियों को विद्युत बिलों को लेकर आ रही समस्या का जल्द समाधान होगा।

एनईए भवन सैक्टर-6, नोएडा में एनईए अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन की अध्यक्षता में विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता रितेश आनन्द अधिशासी अभियंता मोहित गोयल,तथा उपखंड अधिकारी पुष्पेन्द्र के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया ।

बैठक में विपिन कुमार मल्हन ने अवगत कराया कि सैक्टर-6,तथा सैक्टर-7 में विद्युत की तारें काफी झुकी हुई है तथा कई स्थानों में पेड़ो की टहनियों से विद्युत तारें टकरा रही है जिसके कारण कभी भी विद्युत करंट पेडों पर आ सकता है जिसके कोई दुर्घटना हो सकती है। साथ ही विद्युत बिल समय से जमा कराने पर जो छूट दी जाती है उसे विद्युत बिल समय से जमा कराने के बावजूद अगले बिल में बकाया देयता जोड कर दर्शाया जाता है।

अधीक्षण अभियंता रितेश आनन्द ने उद्यमियों की समस्या सुनने के बाद कहा कि सैक्टर-6 तथा सैक्टर-7 में जहॉ भी बिजली की तारें झुकी हुई है उन्हें टाईट करवा दिया जाएगा, तथा पेड़ों की छटाई करवा दी जाएगी। साथ ही जिनके द्वारा समय से विद्युत बिलों का भुगतान कर दिया दिया जाता है उनके बिलों में दशाई गई बकाया धनराशि को हटवा दिया जाएगा ।

इस अवसर पर एनईए के वरि0 उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा, राकेश कोहली, उपाध्यक्ष राजेन्द्र मोहन जिंदल,कोषाध्यक्ष एस0सी0 जैन, सचिव राहुल नैयर, राजन खुराना, विरेन्द्र नरूला, मयंक गुप्ता, सुभाष जावा, आर.के.सूरी, असीम जगिया, पियूष मंगला, अजय अग्रवाल, कुलवीर विर्क, हरीश कालरा, जोगिन्द्र सिंह, प्रदीप जिंदल, सुधीर सिंह, परवेश ठुकराल, ईशान गोयल, रमन वासन, उपस्थित थे ।